डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर पाठकों को दिली मुबारकबाद।

रॉयल पत्रिका

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें - 9799559096 0141-4982834

वर्ष : 21 | अंक : 01 | पेज: 12 | विशेषांक | जयपुर, सोमवार, 02 फरवरी से 08 फरवरी 2026 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. खानुखान बुधवाली

चेयरमैन
राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फ, जयपुर

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

एम डी चोपदार

चैयरमेन : राजस्थान मदरसा बोर्ड
प्रदेशाध्यक्ष : प्रदेश कांग्रेस कमेटी, अल्पसंख्यक विभाग राजस्थान

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अमीन कागज़ी

विधायक : किशनपोल विधानसभा

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अब्दुल हमीद खान मेवाती

प्रदेशाध्यक्ष, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, राजस्थान

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जावेद कागज़ी

उपाध्यक्ष : भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, राजस्थान
पूर्व हज कोर्डिनेटर : स्टेट हज कमेटी (राज.)

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

इमरान कुरैशी

- प्रदेश सचिव : राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी
- पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष : प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग, राजस्थान

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. बी. एल. जाटावत एडवोकेट आई. ए. एस. (से. नि.)

श्रीमती प्रेम जाटावत

पूर्व चेयरमेन : राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर
पूर्व अध्यक्ष : डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी, राजस्थान, जयपुर (मो. नं. 9829224262)

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

बार काउंसिल ऑफ राजस्थान
सदस्य पद हेतु
आपके प्रथम / उच्च वरीयता मत एवं समर्थन का विनम्र आकांक्षी

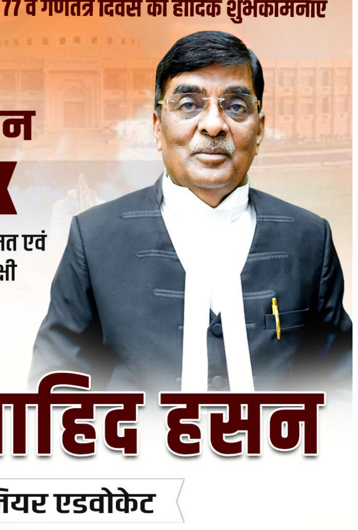

सैयद शाहिद हसन
सीनियर एडवोकेट

मो. +91 98290 55603 sshahidhasan@gmail.com
सदस्य व पूर्व अध्यक्ष बार काउंसिल ऑफ राजस्थान।

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. मीनाक्षी सेठी जैदी

- प्रदेश सचिव एवं प्रवक्ता: राजस्थान कांग्रेस कमेटी
- फाउंडर : मदद फाउंडेशन

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

पर्वत खान एडवोकेट
राजस्थान हाई कोर्ट जयपुर

राजस्थान सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संचालित संस्थान: गीतांजली नर्सिंग कॉलेज, गीतांजली पैरामेडिकल कॉलेज, गीतांजली फ़ार्मेसी कॉलेज, गीतांजली बी एड कॉलेज बोरावड़, मकराना, डीडवाना - कुचामन

कामयाबी के 20 वर्ष...

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक से दैनिक रॉयल पत्रिका, यूट्यूब चैनल, सोशल मीडिया प्लेट फार्म एवं रॉयल पत्रिका के सभी प्लेट फार्म का संचालन अब RP News Network Pvt. Ltd. के द्वारा किया जा रहा है। गरीब, अल्पसंख्यक, मज़दूर, पीड़ित एवं ज़रूरतमंदों की आवाज़ उठाने के उद्देश्य को लेकर "रॉयल पत्रिका" की शुरुआत की गई थी।

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक का पहला अंक 30 जनवरी 2006 को प्रकाशित किया गया। रॉयल पत्रिका टीम ने अपने उद्देश्य और लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दिन-रात मेहनत की। वर्तमान में रॉयल पत्रिका साप्ताहिक पूरे राजस्थान में पढ़ा जाने वाला एक लोकप्रिय न्यूजपेपर है। रॉयल पत्रिका ने 2013 में एक कदम आगे बढ़ाते हुए "दैनिक रॉयल पत्रिका" की शुरुआत की । रॉयल पत्रिका ने सोशल मीडिया क्षेत्र में भी प्रवेश करते हुए अप्रैल 2023 में अपने यूट्यूब चैनल की स्थापना की, जो लोगों द्वारा काफी पसंद किया जाता है।

इसी तरह सोशल मीडिया के प्लेट फार्म इंस्टाग्राम, Twitter (X), एवम Face book पर रॉयल पत्रिका काफी लोकप्रिय है। रॉयल पत्रिका ग्रुप को उच्च मापदंडों के साथ उच्च मुकाम पर ले जाने के लिए अब योजना पर काम जारी है। मीडिया वर्तमान में एक बड़ा क्षेत्र है, जिसमें सफलता और काफी लोगों को रोज़गार देने के अवसर बनते हैं। मीडिया के ज़रिए समाज में व्याप्त बुराइयों को रोका जा सकता है और देश में शांति, भाईचारा एवम सदभाव को कायम रखा जा सकता है।

इन सब मुद्दों को देखते हुए रॉयल पत्रिका ग्रुप ने कॉर्पोरेट क्षेत्र में कदम रखते हुए रॉयल पत्रिका ग्रुप को कंपनी में परिवर्तित किया गया है। कंपनी का निगमन RP News Network Pvt. Ltd. के नाम से किया गया है। जोकि शेयरों में विभाजित है। कंपनी परिचालन की अनुमति मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स द्वारा दी गई है।

- संपादक

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

SIRAJUDDIN QURESHI
PRESIDENT
ALL INDIA JAMIAT-UL-QURESH

NAIMUDDIN QURESHI
PRESIDENT
ALL INDIA JAMIAT-UL-QURESH RAJASTHAN
(MEMBER CENTRAL CORE COMIMITTEE)

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

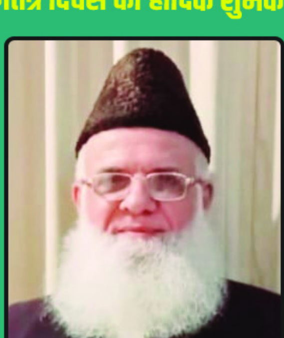

सैय्यद अनवर शाह

डायरेक्टर - अल जामिअ तुल आलिया, साबिर कॉलोनी, चार दरवाज़ा बाहर जयपुर - 302002 मो. 93140 11786

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अब्दुल सलाम जौहर
राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड विजेता

- कन्वीनर मुस्लिम प्रोग्रेसिव फैडरेशन राजस्थान
- राजस्थान लखेरा मनिहार लाख चूड़ी हस्तकला सोसाइटी
- मुख्य संरक्षक समर्पण संस्था

डॉ. इकराम खान
वाईस चेयरमैन
वक़्फ़ विकास परिषद राजस्थान
सदस्य - प्रदेश कांग्रेस कमेटी
पूर्व डायरेक्टर
पंचायत समिति सुल्तानपुर
पूर्व सदस्य मदरसा बोर्ड जयपुर
राजस्थान सरकार

रॉयल पत्रिका को सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे करने पर बहुत- बहुत मुबारकबाद

नईमुद्दीन गुड्डू
प्रधान
पंचायत समिति लाडपुरा

रॉयल पत्रिका को सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे करने पर बहुत- बहुत मुबारकबाद

मोईनुद्दीन गुड्डू
सरपंच एवं जिलाध्यक्ष
युवा कांग्रेस, कोटा शहर

केंद्र सरकार का बजट देश के सभी वर्गों को निराश करने वाला है- डोटासरा

जयपुर । केन्द्र सरकार की ओर से प्रस्तुत बजट 2026 को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने निराशाजनक बताते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेशवासियों को डबल इंजन सरकार बनने पर विकास का भरोसा दिलाया था किन्तु इस बजट में राजस्थान के विकास के लिए कोई प्रावधान और घोषणा नहीं हुई और ना ही कोई राष्ट्रीय परियोजना प्रदेश को मिली, ना ही किसी योजना के लिए विशेष पैकेज प्रदेश को केन्द्र सरकार के बजट में मिला है। ईआरसीपी जैसी महत्वकांक्षी परियोजना का राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं होना तथा जल जीवन मिशन के तहत् कोई विशेष पैकेज नहीं मिलना राजस्थान वासियों के साथ केन्द्र द्वारा किए गए सौतेले व्यवहार का बड़ा उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों की आय दुगुनी करने का वादा 2014 में किया था किन्तु आज भी किसानों की आय बढ़ाने के लिए थोथी घोषणा कर वाहवाही लूटना चाहते है। इस बजट की घोषणाओं में भी राजस्थान के किसानों द्वारा उगायी जाने वाले फसलों व उत्पादों को शामिल नहीं कर प्रदेश के किसानों के हितों के साथ कुठाराघात किया गया है। पर्यटन के क्षेत्र में भी राजस्थान के लिए किसी प्रकार की राहत भरी घोषणा नहीं की गई जबकि राजस्थान में भरपूर सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहर है किन्तु बांसवाड़ा के मानगढ़ धाम सहित समस्त पुरा महत्व के स्थानों को ट्यूरिस्ट हब की योजना से महरूम रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में बुलेट ट्रेन की घोषणा वर्षों पूर्व कर चुके है अब सात हाईस्पीड रेल कॉरिडोर बनाने की घोषणाएं हुई है किन्तु हाईस्पीड रेल कॉरिडोर और फ्रेट कॉरिडोर से राजस्थान प्रदेश को वंचित रखा गया है। उन्होंने कहा कि देश में सर्वाधिक रोजगार प्रदान करने वाले मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर आज भी स्थित है इसे बढ़ाने के लिए व्यापक योजना की आवश्यकता थी जिसका बजट में अभाव है। देश में कोई जनकल्याणकारी योजना लागू होने की घोषणा नहीं हुई और ना ही मनरेगा की जगह बनी नई योजना के लिए बजट घोषणा हुई है। गरीब और मध्य वर्गीय परिवारों को महंगाई से राहत देने के लिए कोई उपाय नहीं किए गए है। युवाओं को रोजगार देने हेतु भी किसी प्रकार के प्रावधान नहीं किए गए है। देश से निवेशक अपनी पूँजी निकाल रहे है, घरेलू बचत गिर रही है और बाजार में अस्थिरता का माहौल डर के साथ व्याप्त हो गया है। केन्द्र सरकार का बजट देश के सभी वर्गों को निराश करने वाला है।

नए बजटीय प्रावधानों और इंसेंटिव्स का लाभ लेने के लिए राजस्थान पूरी तरह तैयार - भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 12 साल से देश वित्तीय अनुशासन और स्थायित्व के साथ विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने रविवार को केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट को आत्मनिर्भर से विकसित, संभावनाओं से उपलब्धियों और संकल्प से सिद्धि की ओर ले जाने वाला बजट बताया। उन्होंने कहा कि इस बजट में नए भारत की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के साथ-साथ अंतिम व्यक्ति को आगे लाने की प्रतिबद्धता का भी पूरा ध्यान रखा गया है। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय बजट पर सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा शक्ति केन्द्रित इस बजट में युवाओं के लिए रोजगार, स्किल डेवलपमेंट, स्टार्टअप को बढ़ावा देने और सर्विस सेक्टर पर फोकस बढ़ाने वाले प्रावधान किए गए हैं, इससे युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। एक लाख एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल, 1 लाख 50 हजार केयर गिवर्स और टूरिस्ट गाइड्स को कौशल प्रशिक्षण से भी युवाओं को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एवीजीसीएक्सआर पॉलिसी पहले ही लागू की जा चुकी है। अब माध्यमिक विद्यालयों और महाविद्यालयों में कंटेट क्रियेटर लैब्स की स्थापना से राजस्थान के युवाओं को दोहरा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि बजट में महिलाओं के लिए सशक्तिकरण, सुरक्षा और आर्थिक भागीदारी को मजबूत करने, कृषि अवसंरचना एवं बाजार तक किसानों की पहुंच बढ़ाने और जोखिम घटाने के लिए भी महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं।

हैवी मशीनरी निर्माण के लिए प्रदेश में निवेश का किया आह्वान:-

शर्मा ने कहा यूरोप के साथ ऐतिहासिक समझौता होने के बाद इस बजट ने देश के छोटे-बड़े उद्योगों, मैन्युफैक्चरर्स, कारीगरों और कामगारों को वैश्विक बाजार में जगह बनाने के लिए नई दिशा दिखाई है। बायो फार्मा, केमिकल्स, टेक्सटाइल, हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट जैसे क्षेत्रों में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए बजट में कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। उन्होंने उद्योग जगत का आह्वान किया कि कंस्ट्रक्शन और इन्फ्रास्ट्रक्चर की हैवी मशीनरी के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए बजट में लाई गई विशेष योजना का लाभ लेते हुए राजस्थान के इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में अपनी इकाइयां लगाएं। उन्होंने कहा कि इस बजट से प्रदेश के निर्यातकों को नए खुल रहे बाजारों में निर्यात वृद्धि के अवसर भी मिलेंगे।

राजस्थान के सोलर सेक्टर को मिलेगी नई गति:-

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बजट में राजस्थान की संभावनाओं और आवश्यकताओं को पूरा स्थान मिला है। अक्षय ऊर्जा के लिए 30 प्रतिशत ज्यादा करीब 32 हजार 914 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। इसी प्रकार पीएम सूर्यघर योजना को 22 हजार करोड़ रुपये दिए गए हैं। सोलर ग्लास मैन्युफेक्चरिंग में प्रयोग आने वाले सोडियम एंटीमोनेट के आयात पर कस्टम ड्यूटी में छूट दी गई है। बीईएसएस में उपयोग में आने वाले लीथियम आयन सेल बैटरी निर्माण में प्रयुक्त पूंजीगत सामानों के लिए कस्टम ड्यूटी में छूट दी गई है। राजस्थान सौर ऊर्जा में पहले से ही अग्रणी प्रदेश है, अब इन प्रावधानों से प्रदेश के सौर ऊर्जा क्षेत्र को नई गति मिलेगी।

सेमीकंडक्टर और डेटा सेंटर प्रावधानों से प्रदेश होगा लाभान्वित:-

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने हाल ही में सेमीकंडक्टर नीति, एआईएमएल नीति और डेटा सेंटर नीति लागू की हैं। इसलिए इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0, एआई मिशन, नेशनल क्वांटम मिशन, इलेक्ट्रोनिक कम्पोनेन्ट मेनुफेक्चरिंग स्कीम, डेटा सेंटर और क्लाउड सर्विसेज को दिए गए इंसेंटिव्स का फायदा लेते हुए सेमीकंडक्टर और डेटा सेंटर हब बनने के लिए प्रदेश पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि एसएमई विकास निधि और आत्मनिर्भर भारत टॉपअप छोटे उद्योगों के लिए बड़ी सौगात हैं।

ब्राह्मणों को कांग्रेस की तरफ मोड़ना बड़ी चुनौती !

-सुनील शर्मा को बनाया गया जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष

-ब्राह्मण समाज ने वर्तमान में पूरी तरह भाजपा की तरफ रुख कर लिया है

-कांग्रेस को जयपुर में ज्यादातर मुस्लिम, दलित एवं पिछड़े समाज का समर्थन मिलता है

मुन्ना खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । कांग्रेस हमेशा ऐसे निर्णय लेती है जो राजनीति के हिसाब से सही साबित नहीं होते । ऐसे ही एक निर्णय में कांग्रेस पार्टी ने जयपुर जिला अध्यक्ष पद पर सुनील शर्मा को नियुक्त किया है । यह सभी जानते हैं कि कांग्रेस को जयपुर शहर का ब्राह्मण समाज वोट नहीं देता है, कांग्रेस को मुस्लिम, दलित, आदिवासी एवं पिछड़े वर्ग के लोग ही समर्थन करते हैं । फिर भी कांग्रेस में ब्राह्मण वर्ग के कांग्रेसी सुनील शर्मा को जयपुर जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है, जबकि जिलाध्यक्ष पद पर मुस्लिम दलित और पिछड़े वर्ग के कांग्रेस कार्यकर्ता को जिलाध्यक्ष बनाने की संभावना व्यक्त की जा रही थी । वैसे सुनील शर्मा एक बुद्धिजीवी कांग्रेस कार्यकर्ता हैं और शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने बड़ा काम किया है । सुनील शर्मा ने ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी को बड़ी मेहनत से स्थापित किया है । लेकिन जमीनी स्तर के कार्यकर्ता वह नहीं हैं । कांग्रेस कार्यालय और यूनिवर्सिटी कार्यालय तक उनकी सीमाएं रही हैं, वैसे सुनील शर्मा आर्थिक रूप से संपन्न कांग्रेसी नेता हैं । पिछले विधानसभा चुनाव में उनका हवा महल विधानसभा क्षेत्र से टिकट घोषित हो चुका था, लेकिन जयपुर डायलॉग प्लेटफार्म से उनका नाम जुड़ने के कारण टिकट बदलकर आरआर तिवारी को दे दिया गया था । जयपुर डायलॉग सोशल प्लेटफॉर्म पर कांग्रेस के खिलाफ प्रोपेगेंडा चलाया जाता है । सुनील शर्मा को आरआर तिवारी के स्थान पर जिलाध्यक्ष बनाया गया है । आरआर तिवारी ने हवा महल विधान सभा सीट जो कांग्रेस के लिए आसान सीट मानी जाती है, असफल चुनाव प्रचार के चलते हरवा दी।

सुनील शर्मा के सामने चुनौतियां-

जयपुर शहर में नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सुनील शर्मा के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि ब्राह्मण समाज को कांग्रेस पार्टी के साथ जोड़ें, क्योंकि वर्तमान में ब्राह्मण समाज कॉग्रेस को 1-2 प्रतिशत के अलावा वोट नहीं देता है । ब्राह्मण समाज बीजेपी का कोर वोटर है । यदि सुनील शर्मा को जिलाध्यक्ष के रूप में कांग्रेस पार्टी में सफल होना है तो 15-20 प्रतिशत ब्राह्मण समाज के लोगों को कांग्रेस से जोड़ना जरूरी है । यदि ऐसा नहीं हो पाया तो कांग्रेस पार्टी फिर किसी ब्राह्मण को कभी जिलाध्यक्ष नहीं बनाएगी और ना ही विधानसभा टिकट देगी। दूसरी बड़ी चुनौती नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सुनील शर्मा के लिए यह हो सकती है कि नगर निगम जयपुर चुनाव में मुसलमानों का रुझान एआईएमआईएम की ओर बढ़ सकता है, क्योंकि महाराष्ट्र निकाय चुनाव में एआईएमआईएम को मुस्लिम क्षेत्रों में भारी सफलता मिली है । यदि जयपुर में कांग्रेस से मुस्लिम वोटर छिटक गया तो कांग्रेस का जयपुर में कमजोर प्रदर्शन को कोई रोक नहीं सकता है । वैसे नवनियुक्त जिलाध्यक्ष को अच्छे वक्ता, लॉजिकल भाषण देने में पारंगत एवं ज्ञानवान माना जाता है, बावजूद इसके उनको जमीन स्तर पर उतरना पड़ेगा और कांग्रेस पार्टी के लिए कर्मठ कार्यकर्ताओं की टीम खड़ी करनी होगी।

नगर निगम चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने की चुनौती-

जयपुर नगर निगम चुनाव अप्रैल 2026 तक होने की संभावना है । भाजपा की प्रदेश सरकार ने जयपुर में दोनों नगर निगमों को मिलाकर 150 वार्ड का एक ही नगर निगम बना दिया है । वार्डों का पुनर्गठन इस तरह किया गया है जिनमें भाजपा को हराना आसान नहीं होगा । फिर भी राजनीति में अच्छे कार्यकर्ताओं की मेहनत और अच्छी नीतियों से जीता जा सकता है । जयपुर शहर कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण भाजपा का गढ़ बन गया है । कांग्रेस यदि कांग्रेस के मेहनती और भविष्य की सोच रखने वाले नेता राहुल गांधी की नीतियों पर चलती है तो धरातल पर मजबूत हो सकती है । जयपुर में कांग्रेस को सिर्फ मुसलमानों ने जिंदा रख रखा है । यदि मुसलमान किसी कारण से छिटक गए तो कांग्रेस को बड़ी परेशानी होगी, इसलिए नगर निगम चुनाव में कांग्रेस पार्टी को मुसलमानों के हक की बातें भी करनी चाहिए और कांग्रेस को मजबूत करना चाहिए ।

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली । 29 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट में UGC के नए नियमों के खिलाफ याचिका पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने नियमों पर रोक लगा दी। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि नया नियम भ्रम पैदा करता है। सुप्रीम कोर्ट में UGC के नए नियमों के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए रोक लगा दी। 29 जनवरी 2026 को हुई सुनवाई में CJI सूर्यकांत की बेंच ने फैसला सुनाया और सरकार को नोटिस जारी कर के जवाब मांगा है।

सुप्रीम कोर्ट ने नए नियमों पर रोक लगाई-

UGC के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि अभी 2012 वाले नियम ही लागू रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने 19 मार्च 2026 तक केंद्र सरकार और UGC को नोटिस जारी कर के जवाब मांगा है। यानी अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। CJI सूर्यकांत ने नियमों पर रोक लगाते हुए पूछा कि क्या हम जाति विहीन समाज की तरफ बढ़ रहे हैं या पीछे जा रहे हैं? हमने देखा है कि हॉस्टल में छात्र एक साथ रहते हैं। नए नियमों से अलग हॉस्टल बन जाएंगे। ऐसा नहीं होना चाहिए। इस बीच जस्टिस बागची ने भी कहा कि समाज और देश में एकता के लिए काम करना चाहिए। CJI सूर्यकांत ने कहा, 'हम सरकार से जवाब लेंगे। ऐसी परिस्थिति से कुछ लोग लाभ ले सकते हैं। एक विशेषज्ञ कमिटी भी बनाई जा सकती है।'

नया नियम समाज में भेदभाव पैदा करेगा-

याचिकाकर्ताओं के वकील ने सुनवाई के दौरान कहा, 'संविधान ने सबको संरक्षण दिया है। सभी नागरिकों की रक्षा होनी चाहिए। लेकिन नया नियम भ्रमित करता है और समाज में भेदभाव पैदा करता है। इसमें सिर्फ OBC, SC और ST की बात की गई है।' याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि नियम 3(e) में भेदभाव की परिभाषा पहले से है। इसके रहते 3(c) की क्या जरूरत है। यह समाज मे विभेद पैदा करने वाला है। वकील ने कहा, 'मैं इन तबकों के अलावा बाकी से भी भेदभाव के उदाहरण दे सकता हूं, लेकिन ऐसा नहीं कर रहा।' इस पर CJI सूर्यकांत ने कहा, 'इसकी जरूरत नहीं है। हम सिर्फ यही देख रहे हैं कि नए नियम अनुच्छेद 14 (समानता के अधिकार) के हिसाब से सही हैं या नहीं हैं।'

UGC के नए नियम क्या हैं?-

हर कॉलेज में ईक्वल अपॉर्च्यूनिटी सेंटर यानी EOC बनेगा। EOC पिछड़े और विंचित छात्रों को पढ़ाई, फीस और भेदभाव से जुड़ी मदद देगा। हर कॉलेज में समता समिति बनानी होगी, जिसके अध्यक्ष कॉलेज के प्रमुख होंगे। कमेटी में SC, ST, OBC, महिलाएं और दिव्यांग शामिल होंगे। इस कमेटी का कार्यकाल 2 साल होगा। कॉलेज में इक्वलिटी स्क्वाड भी बनेगा, जो भेदभाव पर नजर रखेगा। भेदभाव की शिकायत पर 24 घंटे में मीटिंग जरूरी होगी। 15 दिन में रिपोर्ट कॉलेज प्रमुख को देनी होगी। कॉलेज प्रमुख को 7 दिन में आगे की कार्रवाई शुरू करनी होगी। EOC हर 6 महीने में कॉलेज को रिपोर्ट देगा। कॉलेज को जातीय भेदभाव पर हर साल UGC को रिपोर्ट भेजनी होगी। UGC राष्ट्रीय निगरानी कमेटी बनाएगा। नियम तोड़ने पर कॉलेज की ग्रांट रोकी जा सकती है। कॉलेज के डिग्री, ऑनलाइन और डिस्टेंस कोर्स पर रोक लग सकती है। गंभीर मामलों में UGC की मान्यता भी रद्द हो सकती है।

जयपुर के महात्मा गांधी सरकारी स्कूल में बच्चों की पढ़ाई पर गंभीर संकट, सरकार की लापरवाही उजागर

-स्कूल में छात्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री का नाम तक नहीं जानते

-टीचर काफी कम संख्या में स्कूल आते हैं और मिड-डे मील में अव्यवस्था देखने लायक है

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के सी-स्कीम, रेजिडेंसी, सरदार पटेल मार्ग स्थित महात्मा गांधी सरकारी स्कूल की स्थिति देखकर कोई भी हैरान रह जाएगा। यह स्कूल सन 1914 में अंग्रेज़ों के समय स्थापित किया गया था और कभी शिक्षा का प्रमुख केंद्र माना जाता था। लेकिन रॉयल पत्रिका की टीम की हालिया जांच में सामने आया कि इस स्कूल की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन और बुनियादी सुविधाएं बच्चों के भविष्य के लिए गंभीर खतरा बन गई हैं। स्कूल प्रशासन और शिक्षक वर्ग की जिम्मेदारी पर भी सवाल खड़े होते हैं। स्कूल में कुल 25 शिक्षक तैनात हैं, जिनमें से लगभग 12–15 शिक्षक बीएलओ ड्यूटी में लगे हुए हैं और नियमित रूप से स्कूल नहीं आते। शिक्षक केवल नाम के लिए उपस्थित होते हैं या पढ़ाई में सक्रिय नहीं हैं। प्रिंसिपल भावना मीना के नेतृत्व में भी प्रशासनिक निगरानी इतनी कमजोर है कि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। रॉयल पत्रिका की टीम ने जब 12वीं कक्षा के छात्रों से बातचीत की, तो यह सामने आया कि किसी भी छात्रों को मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री का नाम तक नहीं पता था। साथ ही शिक्षा मंत्री के बारे में कुछ नहीं बता पाए। छात्रों ने बताया कि कई बुनियादी सवालों के उत्तर उन्हें नहीं आते। अपनी ही पाठ्यपुस्तक

से सवाल पूछने पर भी वे असमर्थ रहे। यह स्थिति साफ़ दर्शाती है कि बच्चों को बुनियादी शिक्षा और नागरिक ज्ञान तक नहीं मिल रहा।

स्कूल में क्या स्थिति है-

स्कूल में कुल 207 विद्यार्थी पढ़ते हैं, लेकिन उनकी पढ़ाई का स्तर बहुत कम है। 1 से 5 कक्षा तक के छात्र एक ही कमरे में बैठाए गए हैं। उनकों पढ़ाने के लिए भी 1 ही टीचर, जिससे छोटे और बड़े बच्चों की पढ़ाई समान स्तर पर होने के बावजूद सीखने में भारी कमी है। इससे कक्षा का अनुशासन और पढ़ाई की गुणवत्ता प्रभावित होती है। बच्चे स्कूल में बाइक पर स्टंट करते हैं, फ़ोन लाते हैं और कई बार क्लास छोड़कर भाग जाते हैं। अनुशासन के कोई सटीक नियम नहीं हैं। 11वीं और 12वीं कक्षा के विज्ञान और गणित के पेपर निर्धारित तीन दिनों में निपटने थे, लेकिन शिक्षक भारी बोझ के कारण केवल दो दिन में ही उन्हें पूरा कर रहे हैं।

मिड-डे-मील की व्यवस्था गंभीर-

मिड-डे-मील योजना में 2 हजार करोड़ का घोटाला सामने आया उसके बाद अभी तक कोई सुधार नहीं है मिड-डे मील व्यवस्था भी गंभीर समस्या बनी हुई है। स्कूल में भोजन परोसने वाला कोई जिम्मेदार मौजूद नहीं था। छोटे बच्चे खुद ही भोजन निकालकर दूसरों को दे रहे थे और मिट्टी में बैठकर भोजन करना मजबूरी बन गया था। इसके अलावा परिसर में भारी गंदगी और कूड़ा-कचरा फैला हुआ था। सफाई कर्मचारियों की तनख्वाह मात्र ₹1500 प्रतिमाह है, जो स्पष्ट रूप से साफ-सफाई के प्रति लापरवाही को दिखाती है।

भवन और शिक्षा व्यवस्था दयनीय-

रॉयल पत्रिका की जांच में यह भी सामने आया कि सरकारी लापरवाही के बावजूद बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए किए जाने वाले दावों और वादों का कोई असर नहीं दिख रहा। बच्चों की पढ़ाई और अनुशासन पूरी तरह ख़राब हैं, और शिक्षक तथा प्रशासन केवल नाममात्र के प्रयास कर रहे हैं। इस बीच, इस स्थिति पर ध्यान देते हुए, टीम की रिपोर्ट और उनके सामाजिक दृष्टिकोण भी बच्चों की शिक्षा और सरकारी व्यवस्था पर सवाल उठाते हैं। ऐसे स्कूलों में बच्चों को सही तरीके से पढ़ाना और उनका संरक्षण करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है, और बच्चों को मूलभूत नागरिक ज्ञान तक नहीं देना शिक्षा व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। महात्मा गांधी सरकारी स्कूल, रेजीडेंसी, जयपुर में बच्चों की पढ़ाई की यह हकीकत यह सवाल उठाती है कि सरकारी स्कूलों में बच्चों का भविष्य कितना सुरक्षित है। 207 विद्यार्थियों की संख्या के बावजूद शिक्षक और प्रशासन की लापरवाही साफ दिखाई दे रही है। भवन की जर्जर स्थिति, भवन सभी जर्जर हालत में है स्थिति इतनी ख़राब है कि 8-10 कमरों में ताले लगे हुए हैं पढ़ाई में कमी, अनुशासनहीनता, मिड-डे मील और स्वच्छता की कमी – सभी मिलकर यह स्पष्ट करती हैं कि सरकारी शिक्षा तंत्र में सुधार की तत्काल आवश्यकता है।

करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी सड़कों, गलियों एवं रास्तों में गंदगी

-जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता और सिस्टम में गहरी खामियां नजर आ रही हैं

हरी सिंह चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की राजधानी जयपुर, जिसे गुलाबी नगरी के नाम से जाना जाता है, जयपुर नगर निगम की लापरवाही के कारण गंभीर अव्यवस्थाओं से जूझ रही है। शहर के कई इलाकों में बुनियादी सुविधाओं की बदहाली साफ नजर आ रही है। गंदे सार्वजनिक शौचालय, कचरे से अटी सड़कें और खुले बिजली के तार न केवल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे हैं, बल्कि आम लोगों की जान को भी खतरे में डाल रहे हैं। शहर के प्रमुख इलाकों जैसे सीताराम बाजार, ब्रह्मपुरी और शंकर नगर में बने सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति बेहद खराब है। इन शौचालयों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है, बदबू के कारण आसपास खड़ा होना मुश्किल हो जाता है और साफ-सफाई की कोई व्यवस्था दिखाई नहीं देती। वहीं शंकर नगर इलाके में हालात और भी चिंताजनक हैं।

यहां कई स्थानों पर बिजली के तार खुले हुए नजर आते हैं, जो किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहे हैं। बरसात के मौसम में ये खुले तार जानलेवा साबित हो सकते हैं, लेकिन इसके बावजूद न तो बिजली विभाग और न ही नगर निगम कोई ठोस कार्रवाई करता दिखाई दे रहा है। इसके अलावा शंकर नगर सहित शहर के कई इलाकों में सड़कें कचरे से भरी पड़ी हैं। जगह-जगह प्लास्टिक, गीला कचरा और मलबा जमा है, जिससे न केवल आवाजाही में दिक्कत हो रही है, बल्कि बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। मच्छरों और बदबू के कारण लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। साफ-सफाई के नाम पर नगर निगम द्वारा किए जा रहे बड़े-बड़े दावों की पोल इन हालातों ने खोल कर रख दी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब नगर निगम हर साल सफाई और रखरखाव पर करोड़ों रुपये खर्च करता है, तो फिर जमीनी स्तर पर हालात इतने खराब क्यों हैं? क्या यह लापरवाही जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता का नतीजा है या फिर सिस्टम में गहरी खामियां हैं?

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

MOHAMMAD ASIF (DAUDI)
DIRECTOR GRPFM

Great Reality Plus

4BHK
SUPER LUXURY APARTMENTS
ULTRA MODERN CLUB HOUSE

Contact: 8386947005 , 01412571396
greatplusfm03@gmail.com www.greatrealtyplus.com

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

एडवोकेट अब्दुल वाहिद नकवी

अध्यक्ष : दी बार एसोसियेशन वक्फ जयपुर (राज.)
पूर्व मेंबर : राजस्थान वक्फ विकास परिषद, राजस्थान सरकार
मनोनीत सदस्य: राजस्थान बार काउंसिल जोधपुर
प्रदेश उपाध्यक्ष: विधि एवं मानव अधिकार विभाग कांग्रेस आई राजस्थान
प्रदेश महासचिव: राजस्थान नकवी वेलफेयर सोसाइटी जयपुर
पता : चेंबर नंबर 106, न्यू बिल्डिंग, ए ब्लॉक
राजस्थान हाई कोर्ट बेंच मो. नं. 9414439775

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मोहम्मद जकरिया (शेरू)
पार्षद वार्ड 65

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की दिली मुबारकबाद

मुजाहिद अख़्तर एडवोकेट
B.Com., LL.B., PGDTL
टैक्स सलाहकार

प्रदेश महासचिव : ऑल इंडिया मुस्लिम वक़्फ़ संपत्ति संरक्षण बोर्ड
सचिव : प्रोग्रेसिव सोश्यल डेवलपमेंट फ़ेडरेशन
रहमानी बिरादरी विकास समिति
यूनाइटेड मुस्लिम ऐड
श्री मेंशन रेज़ीडेंट्स वेलफ़ेयर सोसायटी, सी-स्कीम, जयपुर
सुंदर नगर विकास समिति, दिल्ली बाईपास रोड, जयपुर
पैटर्न मेम्बर : परचम फ़ाउंडेशन
मेम्बर : राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन
दी बार एसोसिएशन जयपुर
जयपुर टैक्स बार एसोसिएशन,
जयपुर टैक्स कंसल्टैंट्स एसोसिएशन जयपुर
राजस्थान टैक्स कंसल्टैंट्स एसोसिएशन
ऑल इंडिया फ़ेडरेशन ऑफ़ टैक्स प्रैक्टीशनर्स

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मौहम्मद असलम खान एडवोकेट

महासचिव, दी बार एसोसिएशन वक्फ जयपुर
सेक्रेटरी, सिपाही (मुस्लिम) समाज विकास समिति
अध्यक्ष, अल्पसंख्यक विकास संस्था
पूर्व पैनल एडवोकेट नगर निगम जयपुर हैरिटेज राजस्थान
पैनल एडवोकेट आर.टी.डी.सी. राजस्थान
लीगल एडवाइजर, हाथी गांव विकास समिति
दरगाह , शहबाज अली जमाली ,
आफिस पता :- 223 मुस्लिम स्कूल के पास , खरबूजा मण्डी, जयपुर
कोर्ट पता :- चैम्बर नं. वी - 11 सैशन कोर्ट बनीपार्क , जयपुर
मो.न.09983345827

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अशफाक गार्नेट
जिला अध्यक्ष, सेवा दल
जयपुर शहर हैरिटेज

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की दिली मुबारकबाद

मोहम्मद शाकिर खान
पार्षद प्रतिनिधि
Mob. 9414017866

REPUBLIC DAY

जमीला बेगम
पार्षद : वार्ड 30

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अमीन कागज़ी
विधायक : किशनपोल विधान सभा क्षेत्र, जयपुर

मोहम्मद फरीद कुरैशी
पार्षद : वार्ड 69
हैरिटेज नगर निगम जयपुर

मोहम्मद फरहान कुरैशी
महासचिव : युवा कांग्रेस
किशनपोल विधानसभा

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर एवं
77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मुबारक हुसैन
किशनपोल विधानसभा क्षेत्र, जयपुर

मोहम्मद शोएब
पार्षद : वार्ड नंबर 75, हेरिटेज नगर निगम, जयपुर

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. नफीस अहमद
पूर्व महासचिव : जयपुर शहर कांग्रेस कमेटी, युवा कांग्रेस
पूर्व अध्यक्ष : किशनपोल विधानसभा

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मोहम्मद साबिर अब्बासी
नगर निगम (मलेरिया विभाग)

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

वहीद भाई
AC वाले, जालूपुरा, जयपुर

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

रईस खान जालूपुरा
जनसेवक किशनपोल
विधानसभा वार्ड 67

अंजुमन-ए-बन्दूकसाज़ान की ओर से रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक
20 वर्ष पूरे होने पर एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की दिली मुबारकबाद

जयपुर गन डीलर्स

अस्त्र शस्त्र के थोक विक्रेता
एवं शस्त्र मरम्मत का
विश्वसनीय प्रतिष्ठान
मोती डूंगरी रोड, जयपुर-302004 (राज.)
फोन : 0141-2617461, 9414215070, 9414207181

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

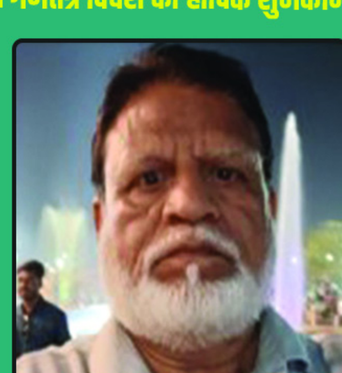

हाजी गुलाम रसूल मंसूरी
प्रदेश सचिव : रकमा
जिला अध्यक्ष : अखिल भारतीय मंसूरी समाज, जयपुर

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

फिरोजुद्दीन
जिला अध्यक्ष : वेलफेयर पार्टी ऑफ इंडिया
महासचिव : कब्रिस्तान बचाओ कमेटी, शास्त्री नगर, जयपुर
उपाध्यक्ष : हिन्दू-मुस्लिम एकता समिति, जयपुर

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

एडवोकेट सोहेल नागौरी
ताजुल फाउन्डेशन
खो नागोरियान

पटवारी 7,000 रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

जयपुर । ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर सीकर ईकाई द्वारा आज कार्यवाही करते हुये आरोपिया सुमन कुमारी पटवारी, पटवार हल्का भगेगा, तहसील नीमकाथाना जिला सीकर को परिवादी से 7,000 रुपये बतौर रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की एसीबी सीकर चौकी को एक शिकायत इस आशय की मिली की परिवादी से उसके पिता एवं चाचा का नाम जमाबंदी में दुरस्त करने की एवज में परिवादी से 7000 रूपये की रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा हैं। एसीबी जयपुर के उपमहानिरीक्षक पुलिस-चतुर्थ अनिल कयाल के सुपरवीजन में एसीबी की सीकर ईकाई के विजय कुमार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सुभाष मील पुलिस निरीक्षक मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुये आरोपिया सुमन कुमारी पटवारी, पटवार हल्का भगेगा, तहसील नीमकाथाना जिला सीकर को 7,000 रूपये बतौर रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। एसीबी के महानिरीक्षक सत्येंद्र कुमार के सुपरविजन में आरोपिया से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

अरब देशों से भारत के संबंध प्रगाढ़ होना जरूरी है !

विश्व में अरब और मुस्लिम देश आर्थिक और तकनीकी रूप से काफी प्रोग्रेस कर रहे हैं। पश्चिम एशिया के मुस्लिम देश पहले आपस में लड़ते रहते थे, लेकिन अब ज्यादातर मुस्लिम देश आपसी मतभेद बुलाकर एक प्लेटफार्म पर आने की बात कर रहे हैं। पश्चिम एशिया के मुस्लिम देश जिनके पास पेट्रोल- डीजल की बड़ी मात्रा है, वे पहले अमेरिका के आदेश पर ही अपना निर्णय कर पाते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। मुस्लिम देश अमेरिका से अलग होने का प्रयास कर रहे हैं वे चीन और रूस से अपनी सैन्य और व्यापारिक भागीदारी बढ़ा रहे हैं। सऊदी अरब और तुर्की ने पाकिस्तान से कुछ दिन पहले सैन्य एवं सुरक्षा समझौता किया है। मुस्लिम देशों का मानना है कि किसी भी देश की सुरक्षा के लिए परमाणु बम होना जरूरी है, इसी कारण से मुस्लिम देश पाकिस्तान से सुरक्षा समझौता करने की कोशिश कर रहे हैं। विश्व का परिदृश्य वर्तमान में तेजी से बदलता जा रहा है, अमेरिका का वर्चस्व घटता जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आर्थिक एवं सुरक्षा नीतियों को विश्व के ज्यादातर देश पसंद नहीं कर रहे हैं। अमेरिका और यूरोपीय देशों का नाटो सैन्य संगठन अब अमेरिका के मनमानी नीतियों के कारण विघटन के कगार पर है। चीन, रूस, अमेरिका और उत्तरी कोरिया का मजबूत गठबंधन एक नया ताकतवर गठजोड़ बनाकर उभरा है। पाकिस्तान चीन, तुर्की और सऊदी अरब से मिलकर अपनी कमजोर आर्थिक स्थिति को सुधारने में लगा है। पाकिस्तान ने चीनी तकनीक लेकर जे- 17 लड़ाकू विमान बनाए और उनको आधा दर्जन मुस्लिम देशों को बेचकर भारी मुनाफा कमाया है। पाकिस्तान ने भारत के साथ हुई तीन दिन की सैन्य झड़पों को विश्व में बढ़ा चढ़ाकर प्रचलित किया और भारत पर जीत बताकर सैन्य हथियार बेचने में लगा हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी पाकिस्तान की झूठी तारीफ करके उसको फायदा पहुंचाया है। पाकिस्तान अब भारत के दूसरे पड़ोसी बांग्लादेश पर डोरे डालने लगा है। बांग्लादेश और भारत के संबंधों में दूरियां पैदा हो रही है। भारत और बांग्लादेश के बीच धार्मिक आधार पर संबंध तय होने लगे हैं। भारत में बांग्लादेशी क्रिकेट खिलाड़ियों का विरोध होता है तो दूसरी तरफ बांग्लादेश क्रिकेट टीम भारत में T-20 विश्व कप खेलने से मना कर देती है। भारत में भाजपा की सरकार है जो मुसलमानों के प्रति चाहे देश में हो या विदेशी देश हो, के बारे में अलग से नजरिया रखती है। भारत में मोदी सरकार ने एशिया के मुस्लिम देशों की अपेक्षा इजराईल से संबंध मजबूत बनाने को ज्यादा पसंद किया, जबकि भारत के स्वतंत्रता के बाद से ही मुस्लिम देशों से अच्छे संबंध रहे हैं। यही कारण है कि भारत का मुस्लिम देशों के साथ अच्छा व्यापार होता था और भारत उनसे कच्चा तेल खरीदता था। लेकिन इसराईल से बढ़ती नजदीकी के कारण मुस्लिम देश भारत से दूरी बनाने की कोशिश करने लगे हैं। लेकिन अब भारत की ओर से अरब देशों से फिर से अच्छे संबंध बनाने के लिए प्रयास किए हैं। यदि 50-60 मुस्लिम देशों से भारत के अच्छे व्यापारिक संबंध बढ़ते हैं तो देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। देश में रोजगार के अवसर तेजी से पैदा होंगे। लेकिन यह भी निश्चित है कि मुस्लिम देशों और इजराईल के साथ एक साथ अच्छे संबंध नहीं हो सकते हैं। अब यह भारत की मोदी सरकार पर निर्भर करता है कि भारत इजराईल से अच्छे संबंध रखना चाहता है या फिर खाड़ी के मुस्लिम देशों से अच्छे संबंध रखना चाहता है।

डॉ. ज़ाकिर हुसैन - जो शिक्षक से राष्ट्रपति बने

(8 फरवरी 1897 - 3 मई 1969)

डॉ. जाकिर हुसैन खान एक भारतीय शिक्षाविद और राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने 1962 से 1967 तक भारत के उपराष्ट्रपति और 13 मई 1967 से 3 मई 1969 को अपनी मृत्यु तक भारत के राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया।

हैदराबाद में एक अफरीदी पश्तून परिवार में 13 मई 1967 को जन्मे डॉ. ज़ाकिर हुसैन ने इटावा में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और अलीगढ़ के मुहम्मदन एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज और बर्लिन विश्वविद्यालय में अध्ययन किया, जहाँ से उन्होंने अर्थ शास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। महात्मा गांधी के करीबी सहयोगी डॉ. ज़ाकिर हुसैन, जामिया मिलिया इस्लामिया के संस्थापक सदस्यों में से एक थे, जिसकी स्थापना असहयोग आंदोलन के जवाब में एक स्वतंत्र राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के रूप में की गई थी। उन्होंने 1926 से 1948 तक विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में कार्य किया। 1937 में, हुसैन ने बुनियादी राष्ट्रीय शिक्षा समिति की अध्यक्षता की, जिसने नई तालीम (उर्दू में शाब्दिक अर्थ "नई शिक्षा") के नाम से जानी जाने वाली एक नई शिक्षा नीति तैयार की, जिसमें मातृ भाषा में मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा पर जोर दिया गया था। वे मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचक मंडल की नीति के विरोधी थे और 1946 में, मोहम्मद अली जिन्ना के नेतृत्व वाली मुस्लिम लीग ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उस प्रस्ताव को वीटो कर दिया, जिसमें हुसैन को भारत की अंतरिम सरकार में शामिल करने की बात कही गई थी। भारत की स्वतंत्रता और विभाजन के बाद डॉ. ज़ाकिर हुसैन भारत में ही रहे और 1948 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त हुए, जिसे उन्होंने राष्ट्रीय उच्च शिक्षा संस्थान के रूप में बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें 1954 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया और 1952 से 1957 तक वे भारतीय संसद के मनोनीत सदस्य रहे। हुसैन ने 1957 से 1962 तक बिहार के राज्यपाल के रूप में कार्य किया और 1962 में भारत के उपराष्ट्रपति चुने गए। अगले वर्ष उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। 1967 में वे सर्वपल्ली राधाकृष्णन के उत्तराधिकारी के रूप में राष्ट्रपति चुने गए और भारत में सर्वोच्च संवैधानिक पद धारण करने वाले पहले मुस्लिम बने। वे पद पर रहते हुए मरने वाले पहले राष्ट्रपति भी थे और किसी भी भारतीय राष्ट्रपति के कार्यकाल में उनका कार्यकाल सबसे छोटा था। उनकी मजार दिल्ली के जामिया मिलिया इस्लामिया परिसर में स्थित है। हुसैन का जन्म 8 फरवरी 1897 को हैदराबाद में हुआ था और वे अफरीदी पश्तून वंश के थे। उनके पूर्वज आधुनिक उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले के क़ैमगंज कस्बे में बसे थे। उनके पिता, फिदा हुसैन खान, दक्कन चले गए और हैदराबाद में एक सफल कानूनी करियर स्थापित किया, जहाँ वे 1892 में बस गए। हुसैन, फिदा खान और नाज़नीन बेगम के सात बेटों में से तीसरे थे। उन्होंने घर पर ही कुरान, फारसी और उर्दू की शिक्षा प्राप्त की और माना जाता है कि उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा हैदराबाद के सुल्तान बाज़ार स्कूल में प्राप्त की थी। 1907 में अपने पिता की मृत्यु के बाद हुसैन का परिवार क़ैमगंज वापस आ गया और उन्हें इटावा के इस्लामिया हाई स्कूल में दाखिला दिलाया गया। हुसैन की माँ और उनके विस्तारित परिवार के कई सदस्यों की 1911 में प्लेग की महामारी में मृत्यु हो गई। 1913 में मैट्रिक पास करने के बाद, उन्होंने अलीगढ़ के मुहम्मदन एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज में दाखिला लिया और बाद में, मेडिकल की डिग्री की तैयारी के लिए, लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज में बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री के लिए दाखिला लिया। बीमारी के कारण उन्हें अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी और एक साल बाद उन्होंने अलीगढ़ के कॉलेज में फिर से दाखिला लिया। हुसैन ने 1918 में दर्शनशास्त्र, अंग्रेजी साहित्य और अर्थशास्त्र में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। वे कॉलेज के छात्र संघ के उपाध्यक्ष चुने गए और अपने वाद-विवाद कौशल के लिए पुरस्कार जीते। हुसैन ने स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए कानून और अर्थशास्त्र का अध्ययन किया। 1920 में मास्टर डिग्री प्राप्त करने के बाद, उन्हें कॉलेज में लेक्चरर के रूप में नियुक्त किया गया। 1915 में, स्नातक की पढ़ाई जारी रखते हुए, हुसैन ने शाहजहाँ बेगम से विवाह किया, जिनसे उनकी दो बेटियाँ हुईं, सईदा खान और सफिया रहमान। हुसैन के छह भाइयों में से यूसुफ हुसैन इतिहासकार बने और साहित्य अकादमी पुरस्कार के विजेता रहे, जिन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो-वाइस-चांसलर के रूप में कार्य किया। महज 29 वर्ष की आयु में जाकिर हुसैन जामिया मिलिया इस्लामिया के कुलपति बने। 1920 में महात्मा गांधी ने अलीगढ़ स्थित मुहम्मडन एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज का दौरा किया। बाद में इसका नाम बदलकर जामिया मिलिया इस्लामिया कर दिया गया और 1925 में इसे अलीगढ़ से दिल्ली स्थानांतरित कर दिया गया। हुसैन इस निजी विश्वविद्यालय के संस्थापकों में से एक थे। हुसैन ने जामिया के लिए धन जुटाने के लिए पूरे भारत की यात्रा की और महात्मा गांधी, बॉम्बे के परोपकारी सेठ जमाल मोहम्मद, दवा कंपनी सिप्ला के संस्थापक ख्वाजा अब्दुल हमीद और हैदराबाद के निज़ाम सहित अन्य लोगों से वित्तीय सहायता प्राप्त की। हुसैन 1948 तक जामिया के कुलपति रहे। हुसैन मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचक मंडल की नीति के विरोधी थे और मुस्लिम लीग के नेता मोहम्मद अली जिन्ना के राजनीतिक प्रतिद्वंदी थे। भारत के विभाजन के बाद, कश्मीर जाते समय जालंधर रेलवे स्टेशन पर सांप्रदायिक हिंसा में हुसैन बाल-बाल बचे – इस घटना का वर्णन उन्होंने बारह साल बाद अपने मित्र अब्दुल मजीद दरियाबादी से किया। दिल्ली लौटने पर, हुसैन ने दिल्ली में दंगों के पीड़ितों की मदद के लिए काम किया। दिल्ली में हिंसा के दौरान करोल बाग स्थित जामिया मिलिया इस्लामिया की इमारतों को लूटा और नष्ट कर दिया गया। हुसैन को 1948 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया, हुसैन ने 3 अप्रैल 1952 से 2 अप्रैल 1956 तक राज्यसभा के मनोनीत सदस्य के रूप में कार्य किया और 1956 में उन्हें पुनः मनोनीत किया गया, जहाँ उन्होंने बिहार के राज्यपाल के रूप में अपनी नियुक्ति के बाद 6 जुलाई 1957 को अपने इस्तीफे तक सेवा की। संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में उनकी सेवाओं के लिए हुसैन को 1954 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उन्होंने 1957-58 के दौरान यूनेस्को के कार्यकारी बोर्ड में कार्य किया।

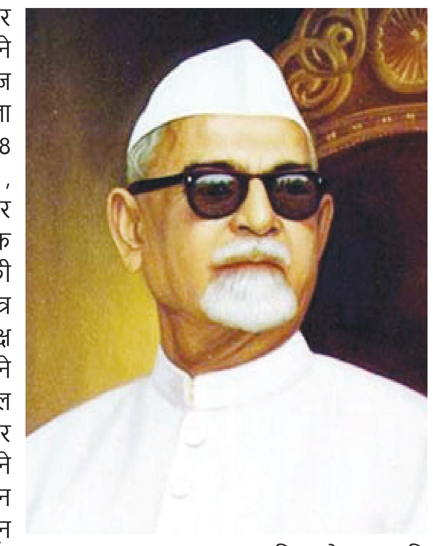

हुसैन राष्ट्रपति एस. राधाकृष्णन से भारत रत्न प्राप्त करते हुए:

14 अप्रैल 1962 को, कांग्रेस पार्टी ने हुसैन को भारत के उपराष्ट्रपति पद के आगामी चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार चुना। उन्होंने 13 मई 1962 को उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।

राष्ट्रपति हुसैन ने न्यायमूर्ति मोहम्मद हिदायतुल्ला को भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई। हुसैन की मृत्यु के बाद, और उपराष्ट्रपति वी.वी. गिरि के राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए इस्तीफे के बाद, हिदायतुल्ला ने 20 जुलाई 1969 से 24 अगस्त 1969 तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। 1967 के राष्ट्रपति चुनाव में, हुसैन को कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के रूप में सर्वपल्ली राधाकृष्णन के उत्तराधिकारी के रूप में चुना गया था। पार्टी के भीतर हुसैन की उम्मीदवारी को लेकर उत्साह की कमी थी, लेकिन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पार्टी अध्यक्ष के. कामराज और अपने मंत्रिमंडल के अन्य वरिष्ठ सदस्यों द्वारा उठाई गई आपत्तियों के बावजूद उन्हें पार्टी उम्मीदवार के रूप में नामित करने का निर्णय लिया। शपथ ग्रहण के समय डॉ. ज़ाकिर ने कहा- "पूरा भारत मेरा घर है और यहाँ के लोग मेरा परिवार हैं। जनता ने मुझे एक निश्चित समय के लिए इस परिवार का मुखिया चुना है। मेरा यह दृढ़ प्रयास रहेगा कि मैं इस घर को मजबूत और सुंदर बनाऊँ, एक ऐसे महान जनसमूह के लिए एक योग्य घर बनाऊँ जो न्यायपूर्ण, समृद्ध और गरिमामय जीवन के निर्माण के आकर्षक कार्य में लगे हुए हैं।" हुसैन, जिन्हें वर्ष की शुरुआत में हल्का हृदयघात हुआ था, 26 अप्रैल 1969 को असम के दौरे से दिल्ली लौटने के बाद अस्वस्थ हो गए। 3 मई 1969 को राष्ट्रपति भवन में हृदयघात से उनका निधन हो गया। उसी दिन उपराष्ट्रपति वी.वी. गिरि ने कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में रखा गया, जहां अनुमानित 200,000 लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम संस्कार 5 मई 1969 को हुआ। उन्हें जामिया मिलिया इस्लामिया के विश्वविद्यालय परिसर में दफनाया गया। हुसैन पर स्मृति स्वरूप डाक टिकट इंडिया पोस्ट द्वारा 1969 और 1998 में जारी किए गए थे। 1975 में दिल्ली विश्वविद्यालय के एक घटक कॉलेज, दिल्ली कॉलेज का नाम बदलकर ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज कर दिया गया। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में ज़ाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र और जामिया मिलिया इस्लामिया के डॉ. ज़ाकिर हुसैन केंद्रीय पुस्तकालय का नाम भी उनके नाम पर रखा गया है। चंडीगढ़ में ज़ाकिर हुसैन गुलाब उद्यान, जो एशिया का सबसे बड़ा गुलाब उद्यान है, का नाम भी हुसैन के नाम पर रखा गया है। डॉ. ज़ाकिर हुसैन – जो शिक्षक से राष्ट्रपति बने, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा हुसैन पर लिखी गई एक पुस्तक, 2000 में जारी की गई थी।

इल्म-ए-लादुनी

पिछले अंक से आगे....

लेकिन अल-मुनक़िज़ मिन-अज़-ज़लाल में लिखते हैं: > "मुझे अपने तमाम इल्म पर शक़ हो गया...

मेरी ज़बान पढ़ाने में साथ देती थी, मगर दिल मना कर देता था।"

उनके लिए यह बौद्धिक नहीं, रूहानी संकट था। इमाम ग़ज़ाली बताते हैं, तर्क (अक़्ल) की भी हद है, कुछ सच्चाइयाँ ऐसी हैं जो सिर्फ़ नूर से खुलती हैं, दलील से नहीं > "जब अल्लाह दिल को नूर से रोशन करता है तो हक़ अपने आप ज़ाहिर हो जाता है।" यही नूर, उनके अनुसार, इल्मे लादुनी का रास्ता है। इमाम ग़ज़ाली ने 10 साल की ख़ामोश साधना की पद, शोहरत, दौलत छोड़ी और दमिश्क, क़ुद्स, मक्का में एकांत जीवन जिया। ज़िक्र, मुजाहदा, तौबा में वक़्त बिताया। यहीं वे लिखते हैं कि > "मुझ पर ऐसे इल्म खुले, जिन्हें शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता।" यह इल्मे लादुनी का अनुभव था —न कि उसका दावा। इमाम ग़ज़ाली की सख़्त चेतावनी है कि > "अगर कोई इल्हाम क़ुरआन–सुन्नत के खिलाफ़ हो तो समझ लो वह शैतानी वसवसा है।" इल्मे लादुनी शरीअत का विकल्प नहीं बल्कि शरीअत की रूह है। इमाम ग़ज़ाली अपने अनुभव के संबंध में लिखते हैं कि > "मैंने किताबों से हक़ को जाना, और दिल के नूर से उसे पहचाना।"

शैख़ुल-अकबर

मुह्यिद्दीन इब्ने अरबी (रह.) का इल्मे लादुनी पर दृष्टिकोण सबसे गहरा, दार्शनिक और साथ ही सबसे ज़्यादा गलत समझा गया है। वे इसे न दावा बनाते हैं, न चमत्कार—बल्कि हक़ीक़त की शहादत कहते हैं। उनके अनुसार इल्मे लादुनी = "मआरिफ़त", न कि सूचनाएँ - इल्मे लादुनी जानकारी (information) नहीं है बल्कि मआरिफ़त (पहचान) है यानी हक़ को "जानना" नहीं, "पहचान लेना"है। > "जिसने हक़ को जाना,-उसने उसे अपने वजूद से जाना।" इब्ने अरबी के अनुसार इल्म के तीन दर्जात हैं

1. इल्मुल-यक़ीन - दलील और अक़्ल से जैसे आग के बारे में पढ़ना।
2. ऐनुल-यक़ीन -देख कर जानना।
3. हक़्क़ुल-यक़ीन- खुद आग में जलकर जानना।

यही इल्मे लादुनी की पराकाष्ठा है। यहाँ "जानना" अनुभव बन जाता है। इब्ने अरबी साफ़ कहते हैं:कि वह्य (वही) सिर्फ़ नबियों के लिए और कश्फ़/इल्हाम औलिया के लिए। कोई वली शरीअत से बाहर नहीं जा सकता, नई शरीअत नहीं ला सकता,> "वली, नबी का अनुयायी होता है—उसका विकल्प नहीं।" इब्ने अरबी की सबसे गहरी बात > "जिसने अपने नफ़्स को पहचाना, उसने अपने रब को पहचाना।"

आधुनिक दौर में इल्मे लादुनी के दावे - "मुझे डायरेक्ट अल्लाह से इल्म मिलता है" "मेरे कहने से क़ानून बदल जाता है" "मुझे शरीअत की ज़रूरत नहीं" ऐसा कहने वाला झूठा है। अगर कोई व्यक्ति अपनी तारीफ़ करे, चंदा/फ़ीस माँग ख़ुद को सवालों से ऊपर रखे डर पैदा करे, समझ लीजिए: ख़तरा है, यह सब झूठ या नफ़्स है। आम आदमी के लिए - सही रवैया क्या हो :-

1. इल्मे ज़ाहिरी सीखें
2. नेक लोगों की संगत में रहे
3. ज़िक्र, दुआ, सब्र करे
4. हर दावे को कसौटी पर रखें और सबसे अहम:
5. ख़ुद को "लादुनी इल्म वाला" न समझें।

एक निर्णायक उसूल है (Golden Rule)> जो आपको शरीअत से दूर करे, वह इल्म नहीं — फ़ित्ना है।

इल्मे लादुनी अल्लाह की दी हुई गहरी समझ है,

इल्हाम दिल की सही प्रेरणा, और कश्फ़ एक रूहानी अनुभव — तीनों का दर्जा अलग है। आधुनिक दौर में इनके नाम पर सबसे ज़्यादा धोखा होता है, इसलिए मापदंड सिर्फ़ एक है: क़ुरआन, सुन्नत और विनम्रता।

-फ़ज़लुर्रहमान

अब्दुल मलिक बिन मरवान का आखिरी वक़्त

अब्दुल मलिक बिन मरवान खानदान उम्मियह का बहुत बड़ा खलीफा हुआ है। उसे जो हुकूमत मिली थी वोह निहायत ही कमजोर थी, क्योंकि आधी से ज्यादा हुकूमत पर अब्दुल्ला बिन जुबैर का इक़्तेदार कायम था। लेकिन उसने अपने तदब्बुर (दूर अंदेशी) होशमंदी और फौजी चालों से हज़रत अब्दुल्ला बिन जुबैर की हुकूमत को इराक, ईरान यहां तक कि हिजाज़ से भी खत्म कर दिया था और हज़रत अब्दुल्ला बिन जुबैर को मक्का में शहीद कर दिया गया।

हज़रत बिन जुबैर की शहादत के बाद अगर अब्दुल मलिक बिन मरवान सन 73 हिज़री में पूरी ममलीकत इस्लामिया का खलीफा बन गया था। लेकिन उसे एक दिन के लिए भी चैन नहीं मयस्सर आया। यहां तक की सन 78 हिज़री में जबकि सीसतां की जंग दर पेश थी। अब्दुल मलिक बिन मरवान इसतसका (पानी खूब पीना) के मर्ज़ में बुरी तरह मुब्तिला हो गया, उसकी हालत यह थी कि वोह रात दिन पानी पीता रहता था। मगर उसके पेट की आग किसी तरह भी न बुझती थी। हकीमों ने उसे पानी देने से मना कर दिया था। लेकिन वोह फिर भी पानी पीने से बाज़ नहीं आता था और चिल्ला-चिल्लाकर कहा करता था कि "यह पूरी सल्तनत ले लो और खुदा के लिए मुझे दो घूंट पानी दे दो। जब मैं पानी भी नहीं पी सकता तो यह सल्तनत मेरे किस काम की है।"

सन 86 हिज़री में इसतसका के मर्ज़ में जब उसका आखिरी वक़्त आया तो बच्चों की तरह रोता था और कहता था कि "मैंने अब्दुल्ला बिन जुबेर से सल्तनत इसलिए छीनी थी कि मैं इस सल्तनत से ऐश करूंगा। मगर जिस सल्तनत के लिए मैंने एक बेहतरीन इंसान का क़त्ल करा दिया और जिसकी खातिर मैंने खाने क़ाबा पर भी संगबारी (पत्थर बरसाना) से गुरेज नहीं किया वोह मेरे कुछ काम ना आ सकी। दुनिया की नेमतों का तो जिक्र ही क्या है, मैं दुनिया से पानी के लिए तरसता हुआ जा रहा हूं। मेरी बद आमालियों की यह सज़ा है कि खुदाये पाक ने मेरे शिकम (पेट) के अंदर ही एक ऐसा जहन्नुम पैदा कर दिया है कि जिसकी आग मुझे दुनिया ही में झुलसाए देती है। काश में हुकमरां होने के बजाये एक आम इंसान होता और मैं गुनाहों का ना काबिले बर्दाश्त बोझ लेकर दुनिया से ना जाता" अब्दुल मलिक बिन मरवान रोता जाता था और निहायत ही दर्द-नाक अल्फ़ाज़ में अपनी बेबसी पर तबसिरा करता जाता था। इस वाकिये से अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि दुनिया की वोह बड़े-बड़े हुकमरां जिनकी अज़मत के रूबरू बड़ी-बड़ी सल्तनतें सरनुगूं (धराशाई) हो गई है। वोह भी इस दुनिया से किस तरह नाकाम और ना मुराद होकर गए हैं। आखिर इस हुकमरां ने 86 हिज़री में एक बगैर पानी की मछली की तरह तड़प-तड़प कर जान दे दी। (दीन दुनिया)

-हबीबुल्लाह एडवोकेट, जवाहर नगर, जयपुर

रसायन शास्त्र के सबसे पहले जनक थे जाबिर बिन हियान

जाबिर बिन हयान, जिन्हें दुनिया "रसायन शास्त्र (Chemistry) का पिता" कहती है। लेकिन अफसोस ! हम मुसलमानों ने उनकी विरासत को भुला दिया। जाबिर बिन हयान का जन्म सन् 721 ईस्वी में ईरान के तूस शहर में हुआ था और सन् 815 ईस्वी में, 94 साल की उम्र में कूफा में उनका निधन हुआ। उनका पूरा नाम अबू मूसा जाबिर बिन हयान था, पश्चिमी देश में इनको गेबर (geber) के नाम से जाना जाता है। इनके पिता का नाम अहमद हयान था और वह दवाएँ बेचते थे। दुख की बात है कि जाबिर के जन्म के बाद उनके पिता को विद्रोह में पकड़कर मार दिया गया। फिर जाबिर और उनकी माँ यमन चले गए।

यमन में जाबिर ने एक अच्छे शिक्षक हरबी अल-हिमयरी से कुरान, गणित (Mathematics), और दूसरे विषय सीखे। उनकी माँ उन्हें गाँव में रिश्तेदारों के पास भेजती थीं, इसलिए उनकी स्कूली पढ़ाई ज्यादा नहीं हो पाई। लेकिन जाबिर का मन हमेशा कुछ नया सीखने को बेचैन रहता था। जवानी में वे कूफा लौटे और इमाम जाफर सादिक र. अ. जैसे महान गुरु के शिष्य बने। और यहीं से जाबिर का वैज्ञानिक बनने का सफर शुरू हुआ। कूफा में जाबिर ने अपनी प्रयोगशाला बनाई और सोना बनाने की कोशिश की। जाबिर बिन हियान ने ही एसिड की खोज की। इन्होंने एक ऐसा एसिड भी बनाया जिससे सोने को भी पिघलाना मुमकिन था। जाबिर बिन हियान पहले व्यक्ति थे जिन्होंने पदार्थ को तीन भागों वनस्पति, पशु और खनिज में विभाजित किया। उन्होंने रासायनिक यौगिकों जैसे – कार्बोनेट, आर्सेनिक, सल्फाइड की खोज की। नमक के तेजाब, नाइट्रिक एसिड, शोरे के तेजाब, और फास्फोरस से जाबिर बिन हियान ने ही दुनिया को परिचित कराया। भले ही वे सोना न बना पाए, लेकिन उनकी मेहनत ने रसायन शास्त्र (Chemistry) को एक नया विज्ञान बना दिया। जाबिर बिन हयान खलीफा हारून अल-रशीद के दरबार में शाही रसायन शास्त्री (Alchemist) के रूप में भी रहे।

उनके द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्य:-

1. आसवन (Distillation): जाबिर ने एक यंत्र बनाया, जिसे "कुरअ अल-अंबीक" कहते थे। यह आज के रिटॉर्ट (Retort) जैसा था। इसके जरिए रसायनों को गर्म करके भाप बनाते और फिर ठंडा करके तरल में बदलते थे। यह आज पेट्रोल, इत्र, और जूस बनाने में काम आता है।

2. अम्लों की खोज (Discovery of Acids): जाबिर ने कई अम्ल खोजे, जैसे गंधक का तेजाब (Sulfuric Acid) और एक्वा रेजिया (Aqua Regia), जो सोने को भी पिघला सकता है। इन अम्लों ने धातुओं की जाँच को आसान किया।

3. धातुओं का सिद्धांत (Theory of Metals): जाबिर ने कहा कि सभी धातुएँ गंधक (Sulfur) और पारा (Mercury) के मिश्रण से बनती हैं। यह सिद्धांत अब पुराना हो चुका है, लेकिन इसने रसायन शास्त्र (Chemistry) को आगे बढ़ाया।

4. प्रयोगशाला के यंत्र (Laboratory Equipment): जाबिर ने कई यंत्र बनाए, जिनसे रसायन शास्त्र (Chemistry) के प्रयोग आसान हुए। उनकी किताबों में रसायनों के गुण और बनाने के तरीके लिखे हैं।

5. अन्य आविष्कार और तकनीकें:

जंग से बचाव: लोहे को जंग से बचाने और कपड़ों को वाटरप्रूफ (Water-proof) बनाने के तरीके खोजे।

चमड़ा और रंग: चमड़े को रंगने और बालों को काला करने के लिए केमिकल फॉर्मूले तैयार किए।

सटीक तराजू: उन्होंने एक ऐसा तराजू बनाया जो बेहद सूक्ष्म वजन (1 किलो के 6000वें हिस्से से भी कम) को माप सकता था।

जाबिर बिन हयान की लिखी किताबों ने न केवल केमिस्ट्री, बल्कि फार्मेसी (दवा विज्ञान) को भी जन्म दिया। उन्होंने ही पहली बार 'दवाओं के डिस्टिलेशन' और उनके सही मिश्रण की तकनीकें सुझाई थीं।

6. प्रमुख पुस्तकें

जाबिर बिन हयान ने लगभग 3,000 से अधिक किताबें लिखीं (जिन्हें 'जाबेरियन कॉर्पस' कहा जाता है)। उनकी मशहूर किताब "किताब अल-किमिया" ने यूरोप में रसायन शास्त्र (Chemistry) को मशहूर किया।

जाबिर बिन हयान के नाम से जुड़ी निम्न प्रमुख पुस्तकें :-

किताब अल-कीमिया (Kitab al-Kimya)

यह ग्रंथ कीमिया की मूल अवधारणाओं और प्रयोगों पर केंद्रित है। इसका लैटिन अनुवाद यूरोप में रसायन विज्ञान के विकास का आधार बना।

किताब अल-सबाइन (Kitab al-Sab'een)

इसमें रसायन विज्ञान के 70 अलग-अलग अध्यायों को शामिल किया गया है। इसमें धातुओं के शोधन, खनिजों के गुणों और दवाओं के निर्माण की विस्तृत विधियां दी गई हैं।

किताब अल-रहमा (Kitab al-Rahma) : यह जाबिर की सबसे प्रसिद्ध और आधारभूत रचनाओं में से एक मानी जाती है। इसका शीर्षक 'रहमा' (दया) संभवतः इस विचार से प्रेरित है कि कीमिया (Alchemy) का ज्ञान मानवता पर ईश्वर की दया का एक रूप है। इस पुस्तक में मुख्य रूप से पदार्थों के रूपांतरण(Transmutation) के सिद्धांतों पर चर्चा की गई है।

किताब अल-तज्मिया

इस पुस्तक का सबसे चर्चित हिस्सा 'तक्वीन' की अवधारणा है, जो प्रयोगशाला में कृत्रिम जीवन (Artificial Life) बनाने की संभावना पर चर्चा करती है। 'तज्मिया' का अर्थ है 'इकट्ठा करना' या 'संयोजित करना'। इसमें बताया गया है कि कैसे विभिन्न तत्वों, ऊर्जाओं और खगोलीय प्रभावों को मिलाकर विशिष्ट गुणों वाले नए पदार्थ बनाए जा सकते हैं।

जाबिर बिन हयान का पैगाम था कि : "प्रयोग ही ज्ञान की नींव है।" जाबिर का कहना था, "हम वही लिखते हैं जो हमने देखा और आजमाया।" जाबिर बिन हयान का मानना था कि कायनात की हर चीज़ एक संतुलन (मिज़ान) पर क़ायम है। अगर उस संतुलन को समझ लिया जाए, तो पदार्थ की प्रकृति बदली जा सकती है।

जाबिर कहते हैं कि : "जिस चीज़ का मिज़ान मालूम हो गया, उसकी हक़ीक़त मालूम हो गई।" हर पदार्थ का संख्यात्मक संतुलन होता है। जाबिर बिन हयान ने यूनानी भाषा सीखी और उसके पंडित बन गए। उन्होंने यूनानी भाषा की कई कृतियों का अरबी भाषा में अनुवाद भी किया। उन्हें रसायन शास्त्र से लगाव था फिर भी उन्होंने दूसरी विद्याओं पर भी पुस्तकें लिखीं जिनमें तर्कशास्त्र, खगोल शास्त्र, दर्शन शास्त्र, भूविज्ञान, प्रतिछाया (Reflection) आदि शामिल हैं। उन्हें सम्मान देने के लिए ही चंद्रमा के एक क्रेटर (Crater) का नाम 'गेबर' रखा गया है।

-फ़ज़लुर्रहमान

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

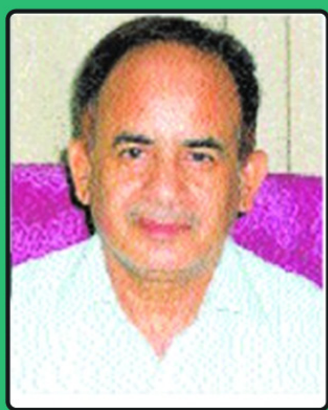

अशफाक हुसैन

रिटायर्ड आई.ए.एस. : पूर्व कलेक्टर दौसा

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जाकिर हुसैन

रिटायर्ड आई.ए.एस. : पूर्व कलेक्टर हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर
कार्यकारी निदेशक (प्रशासन) : राजस्थान फाइनेंशियल
सर्विसेज डिलीवरी लि. राजस्थान

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

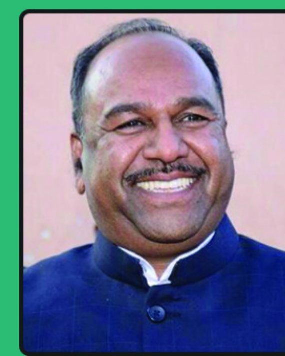

सत्तार खान

आर.ए.एस. (रिटायर्ड) एवं
पूर्व सदस्य: राजस्व मंडल राजस्थान

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

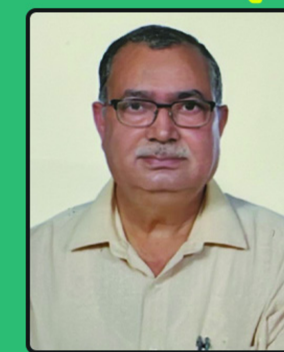

ISLAMUDDIN KHAN B.E.(MECHANICAL)

M.E.(Environmental Engineering)

Retd Chief Engineer Phed Rajasthan,
President: Manihar Vikas Samiti Rajasthan,
227, Ganga Sagar Colony-B, Sagar Path, Amrapali Marg,
Vaishali Nagar, Jaipur

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

बीएल भाटी

सेवानिवृत अधीक्षण अभियंता, PWD राजस्थान
mob : 9829082424

रॉयल पत्रिका की मुल्क और मिल्लत को दी जा रही
नायाब खिदमात के लिए बहुत-बहुत मुबारकबाद

डॉ. नासिर खान
वरिष्ठ वैज्ञानिक (भारत सरकार)

डॉ. मोहम्मद फ़ैज़ान
न्यूरोसाइकिएट्रिस्ट

37, किदवई नगर, विधानसभा के पास, जयपुर

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

Dr. Shyam Sunder Bairwa

Assistant Professor (Textile Chemistry)
MLV Textile & Engineering College, Bhilwara
Res. C- 323, Azad Nager, Bhilwara
Mb. No. 8764122431

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. मेहमूद खान

पूर्व डिप्टी डायरेक्टर : राजस्थान अल्पसंख्यक कल्याण विभाग
पूर्व कार्यकारी अधिकारी : स्टेट हज कमेटी, राजस्थान

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

फजलुर्रहमान

सहायक सचिव (सेवानिवृत) :
राजस्थान खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, जयपुर

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राशिद खान

उपनिदेशक उद्यान : कोटा

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

इनायत अली खान कोटा

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मुकेश कुमार वर्मा

प्रिंसीपल, राजकीय सीनियर
सैकण्डरी स्कूल

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ज़ाहिद हुसैन

ज़िला अध्यक्ष: रकमा

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मोइनुद्दीन

नेशनल अध्यक्ष : ऑल इंडिया हकीम अजमल खान
मेमोरियल सोसायटी (भारत)
Mobile No. 9829986911

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

हाजी हाशिम खान
अध्यक्ष

हाजी अकबर खान कासली
महामंत्री

सूबेदार हाजी भंवर अली
केशियर

के जी एन अमन कमेटी, झोटवाड़ा, जयपुर

KGN अमन कमेटी झोटवाडा ने गणतंत्र दिवस मनाया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। झोटवाडा संजय नगर B सामुदायिक केन्द्र पर 77 वें गणतंत्र दिवस समारोह पर झंडा फहरा कर धूमधाम से मनाया गया। केजीएन अमन कमेटी द्वारा आयोजित समारोह में करगिल युद्ध सहित कई युद्धों में शामिल पूर्व सैनिकों को सम्मानित कर उनके द्वारा देश सेवाओं की सराहना की। कमेटी के मंत्री हाजी गुलाम रसूल मंसूरी ने बताया कि समारोह में कमेटी के अध्यक्ष हाजी हाशिम खान पहाड़ियांन, हाजी मकसद खां फारूक खां ganedi कप्तान लियाकत खां मास्टर इब्राहिम अलादीन खां हाजी रियाज खां सहित सेंकड़ों गणमान्य लोगों ने भाग लिया और संविधान एवं राष्ट्रीय एकता और अखंडता बनाए रखने की शपथ ली।

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जाहिद अली

संरक्षक एवं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष : राज. अधिकारी कर्मचारी माईनॉरिटी एसोसिएशन (रकमा)

अतीक अहमद

प्रदेश अध्यक्ष : राज. अधिकारी कर्मचारी माईनॉरिटी एसोसिएशन (रकमा)

मोहम्मद हबीब खान

प्रदेश महासचिव एवं मीडिया प्रवक्ता: राज.अधिकारी कर्मचारी माईनॉरिटी एसोसिएशन (रकमा)

रहमतुल्लाह

प्रदेश कोषाध्यक्ष : राज. अधिकारी कर्मचारी माईनॉरिटी एसोसिएशन (रकमा)

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

एडवोकेट मोहम्मद अफजल

Mob. :- 9928520745

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

Safar Makkah
Tour Travel

हाजी शफिक

4 K 8, गुलशन मार्केट, हाउसिंग बोर्ड, शास्त्री नगर,
जयपुर Mob - 9887880581

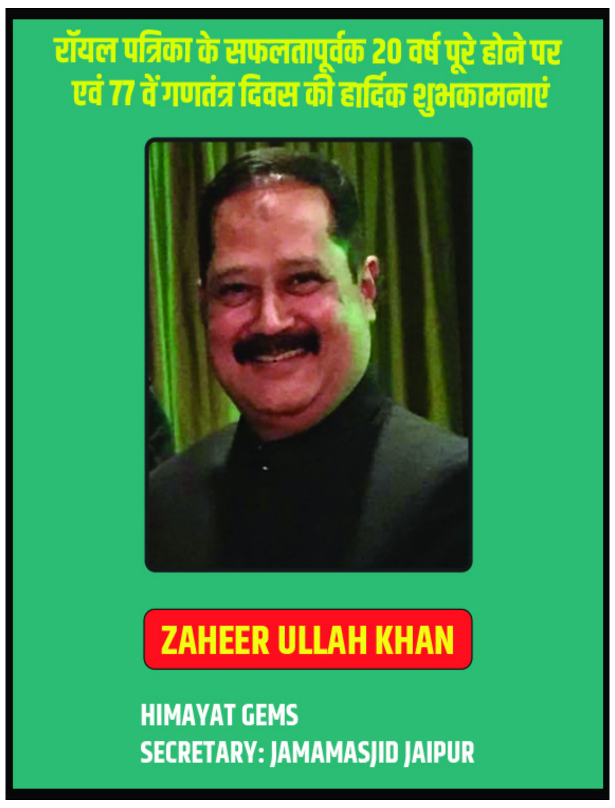

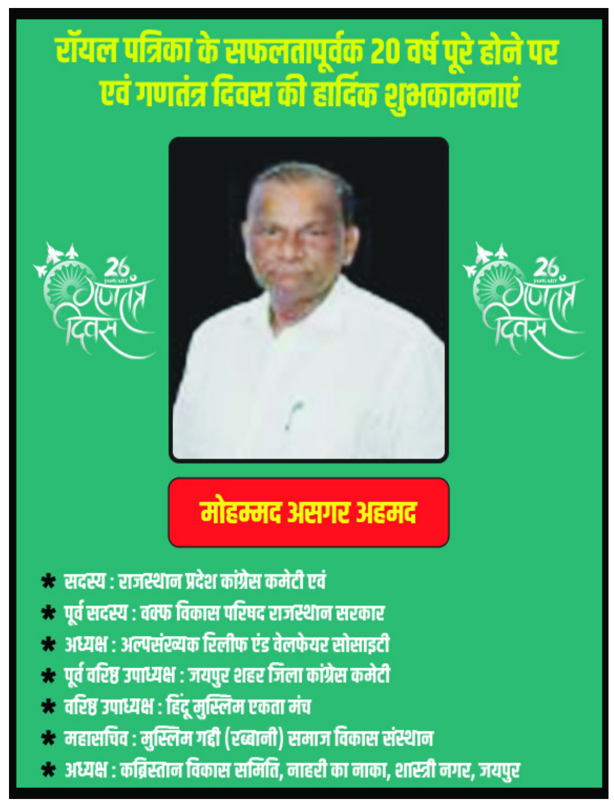

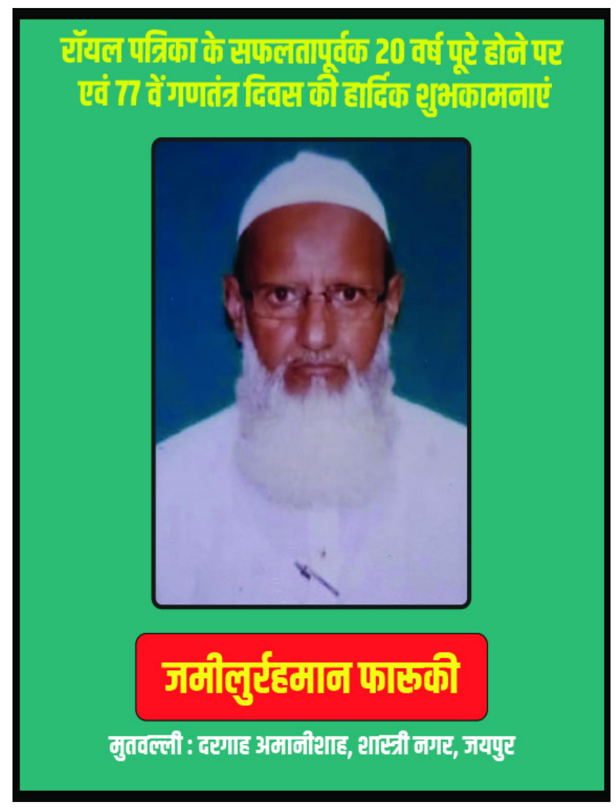

सिपाही मुस्लिम समाज की गोठ आयोजित

-समाज की एकता के लिए प्रयास करने का निर्माण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सिपाही (मुस्लिम) समाज विकास समिति (रजि.) की ओर से 31 जनवरी 2026 को लगभग 1500 लोगों की एक ऐतिहासिक गोठ/बैठक "एक शाम मोहब्बत भरी मुलाकात के नाम" का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन समाज की एकजुटता, जागरूकता और संगठित शक्ति का जीवंत प्रमाण है। आने वाले समय में विकास समिति की और से आर्थिक रूप से पिछड़े, कमजोर, पीड़ित सैय्यद, पठान, शेख, मिर्जा परिवार जो आजादी से पहले रियासतों में सिपाही का काम करते थे तथा आपस में पारिवारिक संबंध रखते हैं जिनके बच्चों के निकाह आपस में होते हैं के कानूनी व सामाजिक हित में कई जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें प्रमुख रूप से— 5,000 से अधिक लोगों का विशाल सम्मेलन, सामूहिक विवाह सम्मेलन, गरीब व ज़रूरतमंद परिवारों की हर संभव सहायता। सरकार द्वारा सिपाही मुस्लिम समाज को आर्थिक व सामाजिक रुप से पिछड़ा माना जाकर OBC में शामिल कर रखा है। समाज के सभी समाज बंधुओ से अपील की गयी वह OBC प्रमाण पत्र ज्यादा से ज्यादा बनवाये यह एक मजबूत और दूरदर्शी कदम होगा, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियों को शिक्षा, रोज़गार और सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। यह पहल केवल आज के लिए नहीं, बल्कि सिपाही मुस्लिम समाज के उज्ज्वल, सुरक्षित और सशक्त भविष्य की नींव है। सिपाही मुस्लिम समाज विकास समिति के सभी साथी मिलकर समाज के हित में निरंतर सकारात्मक, ठोस और प्रभावी कदम उठाते रहेंगे। यह जानकारी समिति का सचिव एडवोकेट मोहम्मद असलम ने दी।

ख्वातीन का तालीम याफ्ता होना बहुत जरूरी है -आलिमा नुज़हत फातमा

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । अल्लाह तआला ने इस कायनात में मर्द और औरत को आला मकाम अता फरमाया लेकिन इस्लाम से पहले औरत को कोई मकाम हासिल नही था औरतों के साथ अच्छा सुलूक नहीं किया जाता था । इस्लाम ने औरत को एक तहफ्फुज़ दिया और एक ऐसी कदर अता की औरत को माँ के कदमों तले जन्नत का दरजा दिया । इस्लाम ने औरत को एक बड़ा मरतबा अता किया, और उसकी तालीम को फरोगः दिया । इस्लाम ने औरत और मर्द दोनों को इल्म हासिल करने की ताकीद की है । ख्वाजा नगर अमृतपुरी घाटगेट जयपुर में स्थित मदरसा गुलशने हुसैन की प्रिंसिपल आलिमा नुज़हत फातमा ने इल्मे दीन की फजीलत पर रौशनी डालते हुए कहा औरत अपने बच्चों की पहली दरसगाह होती है। किसी भी बच्चे का मुस्तकबिल उस की माँ की तरफ से दिये गए प्यार और परवरिश पर मुनहसिर होता है, जो सिर्फ एक औरत ही कर सकती है । अगर माँ तालीम याफता होगी तो औलाद भी साहिबे इल्म और मुहज्जब होगी क्योंकि बच्चे का ज़्यादा वक्त माँ के करीब गुज़रता है । इस लिए पढ़ी लिखी माँ बच्चे के ख्यालात को निखार सकती है। हर कामियाब मर्द के पीछे औरत का हाथ होता है । मर्द की तालीम सिर्फ मरद की तालीम है लेकिन औरत की तालीम सारे खानदान की तालीम होती है । आलिमा नुज़हत फातमा ने बताया कि हुजूर रहमत-ए-आलम सल्लल्लाहो अलैहे वसल्लम पर सब से पहले वही के तौर पर नाजिल होने वाला लफ़्ज़ इकरा है । कुरआने पाक की पहली वही से इल्म की अहमियत व इफादियत और इल्म की अज़मत व बरतरी रोज़े रौशन की तरह अयाँ है । इस का साफ मतलब ये है वो कुरआने मजीद ने सब से पहले जिसकी तवज्जोह दिलाई है वो पढ़ना लिखना है और तालीम व तरबियत से आरास्ता होना है। अल्लाह तआला ने अपने महबूब ए मुकर्रम सल्लल्लाहो अलैहे वसल्लम को मुअल्लिम ए इसानियत बना कर मबऊस फरमाया। हुजूर सरवरे कायनात सल्लल्लाहो अलैहे वसल्लम ने मस्जिद ए नबवी के सेहन में सुफ्फाह के नाम से मदरसे की बुनियाद रख कर सहाबा ए किराम को बतौरे तालिबे इल्म दाखिल फरमाया और खुद उन्हें तालीम व तदरीस दे कर इल्म की रौशनी पूरी दुनिया में फैला दी । उसी दरसगाह में तालीम हासिल कर के सहाबा ए किराम मुफस्सिर, मुफक्किर, मुहद्दिस, मोहक्किक, फकीह व हुकमरान व गवर्नर वगैराह बने सुफ्फाह नामी मदरसे से फैलने वाली इल्मी शुआओं ने पूरी दुनिया को रौशन व ताबनाक और मुनव्वर व मुजल्ला कर दिया उसी मदरसे का इल्मी फैज़ान है के दौरे हाजिर में इल्मो अदब की रौशनी से पूरी दुनिया जगमगा रही है । इम्साल भी मदरसा गुलशन-ए-हुसैन की 13 तालेबात में से सबसे छोटी तालेबा रिदा फातमा बिन्ते मोहम्मद इरफान अंसारी ने 6 साल की उम्र में नाज़िरा कुरआन ए पाक मुकम्मल किया । वालदैन अपनी औलाद को सबसे पहले इस्लाम की बुनियादी व अखलाकी तालीम सिखाएं ।

हैरत है के तालीम व तरक्की में है पीछे
जिस कौम का आगाज़ ही इकरा से हुआ था |

ज़ाहिद हुसैन जयपुर ज़िला अध्यक्ष मनोनीत

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन (RAKMA) के प्रदेशाध्यक्ष अतीक अहमद ने साबिर अब्बासी के स्थान पर ज़ाहिद हुसैन को जयपुर का ज़िला अध्यक्ष मनोनीत किया है । एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों ने ज़ाहिद हुसैन को बधाइयाँ दी और उनको एसोसिएशन को मज़बूत बनाने में सहयोग करने की आशा की । ज़ाहिद हुसैन की जिलाध्यक्ष पद पर नियुक्ति होने पर हाईकोर्ट कर्मचारी आबिद अंसारी ने कहा कि रकमा प्रदेशाध्यक्ष अतीक अहमद का यह अच्छा निर्णय है, क्योंकि ज़ाहिद हुसैन एक कर्मठ, मेहनती एवं सूझबूझ वाले व्यक्ति हैं। आबिद अंसारी ने नियुक्ति पर प्रदेशाध्यक्ष की सराहना की और ज़ाहिद हुसैन को मुबारकबाद दी।

पंचायत चुनाव की घोषणा मार्च के पहले सप्ताह में संभव

जयपुर। चुनाव कार्यक्रम जारी होने के साथ पूरे प्रदेश में लगेगी आचार संहिता, पंचायत चुनाव में 3 चरणों में हो सकता मतदान, नगर निकाय चुनाव कराने की भी तैयारी तेज, राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने दिए संकेत, OBC आयोग की रिपोर्ट के बाद तय होगा चुनाव शेड्यूल, रिपोर्ट आने के 7 दिन में तय होंगी OBC आरक्षित सीटें, एक साथ कराए जाएंगे सभी पंचायतों के चुनाव, 31 मार्च से पहले चुनाव प्रक्रिया पूरी करने का लक्ष्य, सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल तक चुनाव पूरे करने के दिए हैं निर्देश।

ख्वाजा नगर, अमृतपुरी घाटगेट दीनी इज्तिमा में 5 फरवरी को आएंगे इस्लामी विद्वान

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । अंजुमन मोहिब्याने अहलेबैत के तथ्वावधान में ख्वाजा नगर अमृतपुरी घाटगेट जयपुर में स्थित मदरसा गुलशन-ए-हुसैन में तकमीले नाज़िराह कुरआन पर एक दिवसीय तालीमी बेदारी समारोहपूर्वक मनाया जायेगा । जिसमें देशभर से इस्लामिक विद्वान शामिल होंगे तथा विषयवार व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम आयोजक क़ाज़ी-ए-अहले सुन्नत मौलाना क़ाज़ी वली मोहम्मद शेरी खतीबो इमाम नूरानी मस्जिद ख्वाजा नगर अमृतपुरी ने बताया कि 5 फरवरी, 2026 को रात 8 बजे गरीब नवाज़ चौक ट्रांस्पोर्ट नगर में तालीमी बेदारी इज्तिमा मुफ्ती-ए-शहर जयपुर खलीफा-ए हुजूर ताजुशशरीअह हज़रत अल्लामा मुफ्ती अब्दुस्सत्तार साहब रज़वी की सरपरस्ती व अता-ए-हुजूर हाफिज़-ए मिल्लत खलीफा-ए हुजूर ताजुशशरीअह हज़रत अल्लामा कारी मोहम्मद एहतेराम आलम साहब अज़ीज़ी मिस्बाही की अध्यक्षता में होगा। जिसमें मुख्य अतिथि इस्लामी स्कॉलर हज़रत मौलाना सैय्यद सुल्तान चिश्ती साहब अजमेर-ए-मोअल्ला व हज़रत अल्लामा मौलाना मोहम्मद फज़्ले हक़ पूर्व चेयरमैन मदरसा बोर्ड व हज़रत अल्लामा मौलाना अंसारूल क़ादरी साहब (अजमेर शरीफ) हुजूर की सीरत व अता-ए-रसूल ख्वाजा गरीब नवाज की जीवनी पर विस्तार से विचार व्यक्त करते हुए उनके जीवन यापन सुन्नत तरिके एवं व्यवहारिक ज़िंदगी के बारे में बताते हुए उपस्थित विशाल जन समूह को संबोधित करेंगे व हज़रत मौलाना सद्दाम हुसैन साहब रज़वी बरेली शरीफ व इस्लामी स्कोलर हज़रत मौलाना मुफ्ती हैदर अली मदनी दारूल इफ्ता अहले सुन्नत मुम्बई व हज़रत मौलाना सैय्यद शेर अली मदनी व मौलाना मोहम्मद सुफियान अत्तारी, अज़मते कुरआन, फज़ाइले माहे रमज़ान, इस्लाम की बुनयादी व अखलाक़ी तालीम के साथ-साथ समाज में मॉडर्न एजुकेशन पर विस्तार से रौशनी डालेंगे।

वार्ड नम्बर 88 के पार्षद रईस कुरैशी ने बताया कि अलहम्दुलिल्लाह इस मुबारक मौक़े पर मदरसा गुलशन-ए-हुसैन में ज़ेरे तालीम 11 तलबा व तालिबात ने तकमीले नाज़िराह कुरआन-ए-मजीद किया है। जिसमें अज़ीज़ा रिदा फातिमाह बिनते मोहम्मद इरफान अंसारी ने 6 साल की उमर में नाज़िराह कुरआन-ए-पाक मुकम्मल किया अंजुमन मोहिब्बाने अहलेबैत की जानिब से इन सबको इनआमात से नवाज़ा जायेगा। इस सुन्नी इज्तिमा का सलातो सलाम व खुसूसी दुआ के साथ समापन होगा।

जयपुर में APJ अब्दुल कलाम क्रिकेट लीग संपन्न, पटेल क्लब बना विजेता

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एपीजे अब्दुल कलाम क्रिकेट टूर्नामेंट महावतान प्रीमियर क्रिकेट लीग (APJ MPL) का आयोजन 27 से 30 जनवरी 2026 तक बारवाल क्रिकेट ग्राउंड, गोनेर रोड, लूनियावास में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में पटेल क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच के दौरान पार्षद उम्रदराज, सेवा दल अध्यक्ष अशफाक गार्नेट, अनस पठान सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। टूर्नामेंट के सफल आयोजन की जिम्मेदारी जयपुर जिला उपाध्यक्ष (खेल प्रकोष्ठ) कांग्रेस समीर खान ने संभाली। आयोजकों के अनुसार APJ MPL का उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देना और युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करना रहा। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में दर्शकों ने पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

मस्जिदों के लाउडस्पीकर पर राजनीति बंद हो

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। हवामहल विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य द्वारा विधानसभा में मस्जिदों के लाउडस्पीकर और रमज़ान का ज़िक्र करते हुए जो बयान दिया गया है, वह दुर्भाग्यपूर्ण और समाज को बाँटने वाला है। एसडीपीआई जयपुर ज़िला यह स्पष्ट करना चाहती है कि रामज़ान के महीने में मस्जिदों से कोई "एक्स्ट्रा" या नियम से अधिक लाउडस्पीकर नहीं बजाए जाते। अज़ान और इबादत वर्षों से तय समय और तय मर्यादा में ही होती आ रही है। यदि कहीं नियमों का उल्लंघन होता है, तो क़ानून सभी के लिए समान होना चाहिए। सिर्फ़

मस्जिदों या मुस्लिम समाज को निशाना बनाकर रमज़ान जैसे पाक महीने को विवाद से जोड़ना पूरी तरह ग़लत है। सवाल यह भी है कि धार्मिक मेलों, जुलूसों, कांवड़ यात्राओं, राजनीतिक कार्यक्रमों और निजी आयोजनों में बजने वाले तेज़ लाउडस्पीकरों पर उतनी ही सख़्ती क्यों नहीं दिखाई जाती? ध्वनि प्रदूषण एक सामान्य नागरिक मुद्दा है , इसे किसी एक धर्म से जोड़कर देखना संविधान की धर्मनिरपेक्ष भावना के ख़िलाफ़ है।

एसडीपीआई राजस्थान सरकार से मांग करती है कि—

नियम सब पर समान रूप से लागू हों, किसी समुदाय या त्योहार को टारगेट न किया जाए, समाज में नफ़रत फैलाने वाली राजनीति पर रोक लगे, SDPI शांति, भाईचारे और इंसाफ़ की राजनीति के साथ खड़ी है। नफ़रत नहीं, संविधान चाहिए।

-मोहम्मद ख़ालिद

एसोसिएशन फॉर सिक्योरिटी एसोसिएट्स का 8 वाँ स्थापना दिवस जयपुर में आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । एसोसिएशन फॉर सिक्योरिटी एसोसिएट्स (ASA) का आठवाँ स्थापना दिवस 28 जनवरी 2026 को होटल वेस्ता इंटरनेशनल, गोपालबाड़ी, जयपुर में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनरल मानदाता सिंह उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, आईजी संदीप सिंह एवं कमांडेंट रविंद्र सिंह उपस्थित रहे। एसोसिएशन कि ओर से विशिष्ट सलाहकार केप्टन होशियार सिंह, उपाध्यक्ष पूरण सिंह पूर्व अध्यक्ष गोपाल सिंह, मीडिया प्रभारी हारुन कुरैशी, वीरेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, किशोर सिंह, उमेद सिंह, रामनिवास ढाका, ओमप्रकाश पिलानिया, राजेंद्र सिंह, अनिल यदुवंसी, आकाश गौतम ने अतिथियों को साफा एवं शॉल ओढाकर सम्मानित किया। ASA अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह शेखावत ने संगठन की आठ वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। एवं महासचिव जितेंद्र सिंह तंवर ने भविष्य की योजनाओं बताते हुऐ बिना लाइसेंस चल रही सिक्योरिटी एजेंसियों को देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुऐ इन पर कड़ी कार्यवाही करने कि सरकार से मांग की। इस अवसर पर सुरक्षा कर्मियों के अधिकारों, प्रशिक्षण, सामाजिक सुरक्षा, मिनिमम वेज बढानें एवं गार्ड बोर्ड के गठन पर चर्चा की गई। तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को सम्मानित किया गया।

नेगी बाल विद्यालय में झंडारोहण प्रोग्राम आयोजित

-प्रोग्राम में डॉ. रहमान खान थे मुख्य अतिथि

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । सूरजपोल गेट के पास नेगी बाल विद्यालय में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर झंडारोहण प्रोग्राम आयोजित किया गया । झंडारोहण प्रोग्राम के मुख्य अतिथि डॉ. रहमान खान (सूरजपोल वाले) ने रस्सी खींचकर झंडा फहराया । इस अवसर पर कई होनहार बच्चों को इनाम देकर सम्मानित किया गया, 12वीं कक्षा के छात्र अरबाज खान को अच्छे अंक प्राप्त करने के उपलक्ष में मुख्य अतिथि डॉ. रहमान की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया । विद्यालय के संचालक महेंद्र थापा ने संविधान और शिक्षा के महत्व के बारे में छात्र-छात्राओं को बताया । नेगी बाल विद्यालय मैनेजमेंट की ओर से मुख्य अतिथि डॉ. रहमान को माला पहनाकर सम्मानित किया गया । प्रोग्राम में बच्चों ने देश की विभिन्न संस्कृतियों और राष्ट्र भक्ति गीतों पर अलग-अलग तरीके से डांस की प्रस्तुतियां दीं । विद्यालय में इस अवसर पर स्कूल के बच्चे एवं उनके परिजन बड़ी तादाद में उपस्थित थे ।

भिश्ती समाज में पहली बार चुनावी प्रक्रिया, 40 हजार की आबादी होगी एक मंच पर

-भिश्ती समाज अब संगठित, विकास की ओर बड़ा कदम

-सामूहिक विवाह से रोजगार तक, भिश्ती समाज एकता मंच का विज़न प्लान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर से समाजिक एकता की एक खास तस्वीर सामने आई है... भिश्ती सक्का अब्बासी समाज एकता मंच की ओर से समाज को एकजुट करने की दिशा में एक अनोखी पहल की गई, जहां आज दिल्ली रोड स्थित आमागढ़ के सामुदायिक केंद्र पर समाज के प्रबुद्धजन सामूहिक रूप से एकत्रित हुए। कार्यक्रम में समाज की एकजुटता और संगठन की मजबूत झलक देखने को मिली, जिसने यह संदेश दिया कि समाज अब एक प्लेटफॉर्म पर संगठित होकर आगे बढ़ने को तैयार है। मुस्लिम भिश्ती समाज के इकरामुद्दीन पटेल ने बताया कि समाज के इतिहास में पहली बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनाव कराए जा रहे हैं। जयपुर जिला स्तर पर होने वाले इन चुनावों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और महासचिव पदों का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जयपुर में भिश्ती समाज की आबादी लगभग 40 हजार है और यह समाज रियासत कालीन समय से अपनी सामाजिक पहचान बनाए हुए है। वहीं राज्य सरकार से मांग की गई है की भिश्ती समाज के युवाओं को रोजगार के लिए नगर निगम में एक प्रकार का भिश्ती पद हुआ करता था लेकिन अब वह पद समाप्त होता हुआ नजर आ रहा है,सरकार से मांग की गई है राज्य सरकार इस पद को पूर्ण रूप से जीवित कर,रोजगार का अवसर दे, आने वाले समय में समाज की ओर से सामूहिक विवाह, शिक्षा को बढ़ावा, रोजगार सृजन और विभिन्न सामाजिक कार्यों की योजना बनाई गई है। भिश्ती समाज एकता मंच की यह पहल समाज को संगठित करने और विकास की नई दिशा देने की ओर एक मजबूत कदम मानी जा रही है। इस कार्यक्रम में अब्दुल करीम, इब्राहिम, दीन मोहम्मद, हाजी बाबुद्दीन, गुड्डू उर्फ सलीम, कमरुद्दीन, डॉ अब्दुल रहमान सहित अन्य मौजूद रहे।

हज हाउस कर्बला में झंडा रोहण हुआ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान स्टेट हज कमेटी हज हाउस कर्बला में 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर शेख़ हाजी निजामुद्दीन राजस्थान हज वेलफेयर सोसाइटी के जनरल सेक्रेटरी, राजस्थान स्टेट हज कमेटी के मेंबर शाहिद मोहम्मद एस एच ओ अब्दुल कादिर की ओर से झंडा रोहण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने देश के संविधान और हज से संबंधित परेशानियों और उनके समाधान पर विचार विमर्श किया।

अंजुमन सदर मन्नू पठान ने कार्यकारिणी घोषित की

बारां.(रॉयल पत्रिका) नवनिर्वाचित अंजुमन सदर मोहम्मद शाहिद मन्नू पठान ने शनिवार रात अंजुमन कमेटी की एक मीटिंग मोहम्मद अशफाक भाईजान मेमोरियल मदरसा अंजुमन इस्लामियां सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित की। मीटिंग में अंजुमन सदर ने 10 नॉमिनेट सदस्यों को अंजुमन कमेटी में लिया ओर कार्यकारणी की घोषणा की। जिसमें नायब सदर मोहम्मद अशफाक मयूर, साजिद खान लजीज ओर पूर्व पार्षद जाकिर खान को बनाया इसके साथ साजिद खान लजीज को मिड डे मील की जिम्मेदारी भी दी गई। जनरल सेकेट्री फ़राज़ अहमद, सेकेट्री इमरान रंगरेज, खजांची मास्टर अय्यूब अली, सरपरस्त शफी मोहम्मद, तालीम कन्वीनर सी० से० मास्टर मोहम्मद अलीम, तामीर कन्वीनर महबूब अली, प्रोग्राम कन्वीनर इकबाल नेता, अब्दुल रहीम खान राजू बर्तन वाले, दीनी तालीम कन्वीनर मौलाना सलमान, मोहम्मद आसिफ आशु हाफिज दीनी तालीम ओर लाइब्रेरी देखभाल कन्वीनर, इमरान खान टेंट प्रॉपर्टी देखभाल कन्वीनर, सांस्कृतिक कन्वीनर मोहम्मद रईस, कानूनी सलाहकार तालीम सरपरस्त अब्दुल गफ्फार खान एडवोकेट, अब्दुल अजीज अज्जू भाई को खेल कूद ओर तालीम कन्वीनर, कुर्बानी कन्वीनर रईसुद्दीन, अब्दुल खालिक पप्पू नेता, नायब कन्वीनर सद्दाम अरशद, किराया कन्वीनर अशरफ अली, अब्दुल कलाम, मैरिज हॉल कन्वीनर मोहम्मद शहजाद, नायब कन्वीनर मोहम्मद सलीम ओर प्रवक्ता शब्बीर हुसैन को बनाया गया है। अंजुमन सदर मन्नू पठान ने कहा कि सभी अपनी जिम्मेदारी को बखूबी अंजाम दे ताकि अंजुमन के बच्चों को बेहतर तालीम देने में हम अपना अहम योगदान अदा कर सके। मीटिंग में अंजुमन के कई मेंबर मौजूद रहे।

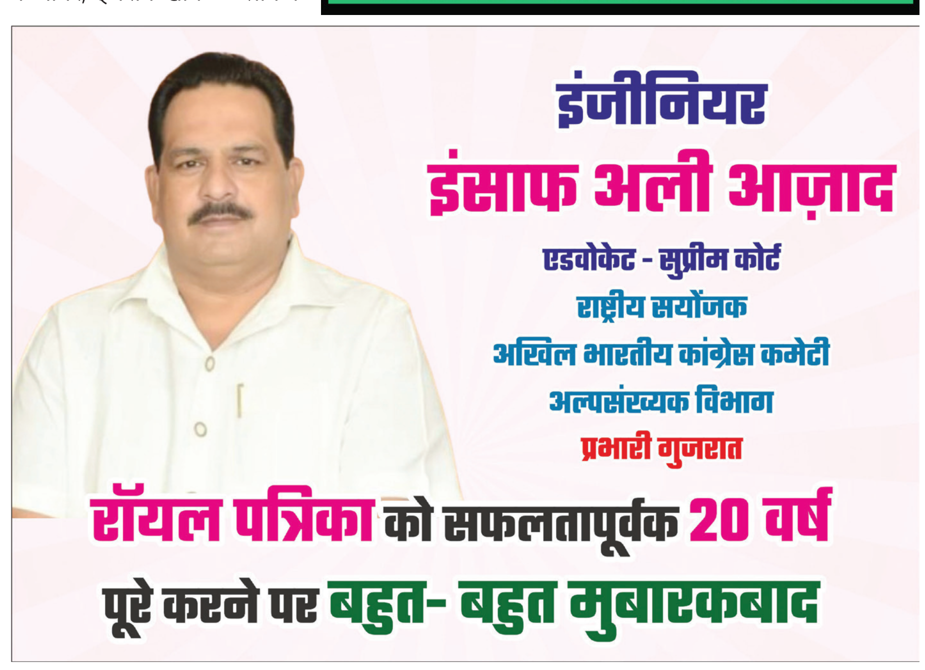

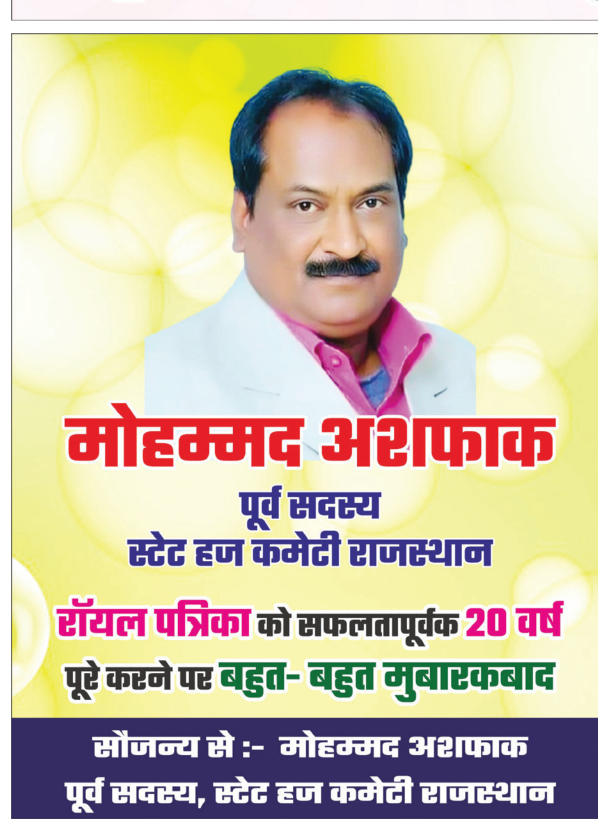

सुकेत में रिलायबल स्कूल में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। नगर पालिका सुकेत मैं रिलाईबल पब्लिक स्कूल में 77वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति के गीत सुनाएं एवं नृत्य किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर शाहरुख अहमद रहे। संस्था निदेशक डॉक्टर जरीफ अहमद ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभध्वजा रोहण राष्ट्रगान से किया गया। साथ ही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर शाहरुख अहमद रहे। विद्यालय के नन्हे मुन्ने बालक बालिकाओं ने राष्ट्रगीत एवं देशभक्ति के गीत सुनाकर मन मोह लिया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थीयो ने कार्यक्रम में भाग लिया। सभी को मुख्य अतिथि द्वारा मेडल एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। अध्यापक अध्यापिका मैं अकदस खान, जिया खान, अर्थिया खान, साइमा खानम को भी सम्मानित किया गया।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं हेतु 6 वां शिविर आयोजित किया

भीलवाडा (रॉयल पत्रिका)। सोशियल वेल्फेयर सोसायटी, भीलवाडा द्वारा दाई हलिमा मेटरनिटी और जनरल हॉस्पिटल परिसर में 6 वां शिविर सुबह 10 से 2 बजे तक आयोजित किया गया। इस शिविर मे गर्भवती महिलाओं की नि:शुल्क जाच की गई, वजन और बीपी की जाच की वरिष्ठ महिला चिकित्सक द्वारा परामर्श दिया गया। आवश्यकतानुसार दवाइया दी गई और पोषाहार भी उपलब्ध कराया गया।

शिविर में आये अन्य मरीजों को भी चिकित्सकों द्वारा जाच कर आवश्यक परामर्श और सलाह नि:शुल्क उपलब्ध कराई गई। शिविर में डॉ. फरजाना सिद्दीकी, रमजान खान, माया डेविड, अरविन्द मसीह, मोहम्मद एजाज, मोहम्मद हनीफ, डॉ. फरियाद मोहम्मद, मोहम्मद रफीक अंसारी, शबबीर अहमद शेख, मोहम्मद असलम खान ने सेवाए दी और व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया। इस तरह हर माह 9, 18, 27 तारीख को यह शिविर आयोजित किया जा रहा है।

इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसायटी द्वारा किया गया अभिनंदन

-"किताबों से करें दोस्ती"- डॉ. अरबाज एवं डॉ. फैसल

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर डॉ. अरबाज खान पुत्र मरहूम एजाज खान एवं डॉ. फैसल सोलंकी पुत्र अयुब सोलंकी के FMGE एग्जाम क्लियर करने पर इंटेलेक्चुअल मुस्लिम्स सोसाइटी चूरू द्वारा दोनों बच्चों के निवास पर पहुँच कर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कहा शिक्षा सफलता की सुनहरी चाबी है जो आपके सपनों के बंद दरवाजों को खोल सकती है यह केवल डिग्री हासिल करना नहीं बल्कि खुद को बेहतर बनाना है कठिन परिश्रम से की गई पढ़ाई कभी बेकार नहीं जाती। आज का संघर्ष कल की जीत का आधार बनेगा शिक्षित बनो सशक्त बानो तभी कामयाबी मिलेगी। प्रतिनिधि मंडल में सोसाइटी के अध्यक्ष शौकत अली खान (रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर), जनरल सेक्रेटरी डॉ. एफ एच गोरी (पूर्व पीएमओ), वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद अयूब (रिटायर्ड एडिशनल एसपी), कोषाध्यक्ष मोहम्मद आरिफ खान (प्रिंसिपल), शिक्षाविद खुर्शीद गौरी, शिक्षाविद सादिक खान, संवाददाता मोहम्मद अली पठान,अयुब खान गौड़ आदि शामिल रहे। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन गोविन्द महनसरिया, वरिष्ठ नेता रियाजत खान, इस्माइल खान (रिटायर्ड एडिशनल एसपी), अयुब गौड़, रहमान खान शिक्षाविद, आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। डॉ अरबाज़ खान व डॉ फैसल सोलंकी ने सोसायटी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस तरह के अभिनन्दन से समाज के अन्य बच्चों को भी मोटिवेशन एवं प्रेरणा मिलती हैं।

गंदे पानी की निकासी को लेकर एवं दूषित पानी से भरे हुए घड़ों को लेकर पहुंचे आमजन

-नगर परिषद का किया घेराव

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहर के नागरिकों ने युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष आसिफ खान के नेतृत्व में गन्दे पानी का मटका लेकर शहर के विभिन्न वार्डो में गन्दे पानी के भराव को लेकर नगर परिषद चूरू का घेराव किया गया।आसिफ खान ने बताया कि चूरू शहर के वार्ड नं 21,30,42,18,03 सहित विभिन्न वार्डो में गन्दे पानी के भराव के कारण आमजन को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है,जल भराव गन्दे पानी की गेनाणी बन चुकी है जिससे आमजन के घरों में पानी जाने लगा है,आमजन के आवागमन में परेशानी हो रही है,गन्दा पानी बीमारियों का घर बन चुका है व सीवरेज का दूषित पानी बहुत बड़ी समस्या बनी हुई हैं। आमजन गन्दे पानी का मटका लेकर नगर परिषद पहुंची है ताकि प्रशासन को भी पता चले आमजन किस हालात से गुजर रहा हैं। एसी प्रकोष्ठ कांग्रेस जिलाध्यक्ष एडवोकेट सुरेश कल्ला, अनीश खान, आज़म कुरैशी, विमल ओझा, अमन दाधिच, आमीन खाँ, रि.एएसएम, शब्बीर खाँ, महबूब खान, सुरेंद्र बरोड़, एडवोकेट आबिद हुसैन, सहित सेंकडो की संख्या में आमजन मौजूद रहे।

कीचड़ में डूबा 'बचपन', स्कूल जाने के लिए जान जोखिम में डाल रहे पंडा का पुरा के मासूम

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। सरकार भले ही 'पढ़ेगा इंडिया, तभी तो बढ़ेगा इंडिया' का नारा देती हो, लेकिन हिंडौन उपखंड के क्यारदा खुर्द स्थित पंडा का पुरा (जाटव समाज की ढाणी) के बच्चों के लिए यह नारा कीचड़ में धंस कर रह गया है। यहाँ के राजकीय प्राथमिक विद्यालय तक जाने वाला रास्ता इन दिनों दलदल और गंदे पानी में तब्दील हो चुका है, जिससे बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा दोनों खतरे में हैं।

किताबों से ज्यादा हिम्मत की जरूरत-

हालात यह हैं कि नन्हे-मुन्ने बच्चों को स्कूल पहुँचने के लिए किताबों से ज्यादा हिम्मत की जरूरत पड़ती है। कई बच्चे नंगे पैर, घुटनों तक भरे कीचड़ और गंदे पानी से गुजरने को मजबूर हैं। जरा सी चूक होने पर गिरने, चोट लगने और बीमार पड़ने का डर हर वक्त बना रहता है। अभिभावकों का कहना है कि इस नारकीय रास्ते के कारण कई बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे, जिससे उनकी पढ़ाई का भारी नुकसान हो रहा है।

प्रशासन की उदासीनता पर सवाल-

ग्रामीणों के अनुसार, यह समस्या कोई नई नहीं है। सालों से प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस समस्या की अनदेखी कर रहे हैं। विद्यालय के मुख्य प्रवेश मार्ग पर न तो पक्का रास्ता है और न ही पानी निकासी की व्यवस्था। हल्की बारिश होते ही यह रास्ता तालाब बन जाता है।

आंदोलन की चेतावनी-

सामाजिक कार्यकर्ता रिंकू कुमार जाटव ने इसे शिक्षा के अधिकार अधिनियम (RTE 2009) का खुला उल्लंघन बताया है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से सीसी सड़क और नाली का निर्माण कराया जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नौनिहालों को इस कीचड़ से मुक्ति नहीं मिली, तो वे जनआंदोलन करने को मजबूर होंगे।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष सत्यवीर सिंह का किया सम्मान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के झालाना स्थित डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वैलफेयर सोसाइटी जयपुर परिसर में बलाई विकास समिति जयपुर (मुख्यालय-चौमूं) के महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया ने डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वैलफेयर सोसाइटी जयपुर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सत्यवीर सिंह का माला, साफा बंधवाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मान किया।

तेली महा पंचायत राजस्थान के प्रांतीय उपाध्यक्ष साजिद तुगलक ने चूरू पहुंचने पर मुफ्ती मोहम्मद सफीक सिकरिया का अभिनंदन किया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित सिकरीया कॉलोनी वार्ड नंबर 4 के अब्दुल गनी सिकरिया के पोते मुफ्ती मोहम्मद सफीक सिकरीया ने जैसलमेर पोकरण के दारुल मदरसे से मुफ्ती की डिग्री हासिल की जो इस्लाम में मुफ्ती उस उच्च शिक्षित इस्लामी विद्वान या न्यायविद (Jurist) को कहते हैं जो शरिया (इस्लामी कानून) की व्याख्या करने और धार्मिक विषयों पर आधिकारिक राय देने के योग्य हो।

मुफ्ती की मुख्य पहचान और कार्य निम्नलिखित हैं-

फतवा जारी करनाः मुफ्ती द्वारा किसी कानूनी या धार्मिक प्रश्न के उत्तर में दी गई औपचारिक राय को 'फतवा' कहा जाता है। योग्यताः मुफ्ती बनने के लिए कुरान, हदीस, और न्यायशास्त्र (Fiqh) का गहरा ज्ञान होना अनिवार्य है। मार्गदर्शनः वे निकाह, तलाक, विरासत और अन्य व्यक्तिगत या सामाजिक मामलों में मुस्लिम समुदाय का मार्गदर्शन करते हैं। सर्वोच्च पदः किसी देश या क्षेत्र के सबसे बड़े मुफ्ती को 'ग्रैंड मुफ्ती' कहा जाता है। इस्लाम में मुफ्ती का ओहदा बेहद जिम्मेदारी और इल्म वाला होता है। मुफ्ती वह विद्वान होता है जिसे इस्लामी कानून (शरीयत) में महारत हासिल होती है और वह कुरान व हदीस की रोशनी में नए और पेचीदा मसाइल (मुद्दों) पर कानूनी राय यानी 'फतवा' देने का अधिकार रखता है । मुफ्ती बनने के लिए केवल आलिम होना काफी नहीं, बल्कि उसे इफ्ता के उसूलों की गहरी समझ होनी चाहिए। एक मुफ्ती का काम समाज को धार्मिक मार्गदर्शन देना और रोजमर्रा की समस्याओं का शरिया के मुताबिक हल बताना है। जबकि एक 'काजी' (न्यायाधीश) का फैसला लागू करना अनिवार्य होता है, मुफ्ती की राय एक धार्मिक सलाह होती है जिसे लोग अपनी आस्था के आधार पर मानते हैं। सुन्नी इस्लाम में मुफ्ती-ए-आजम का पद सबसे ऊंचा माना जाता है, जो पूरे मुल्क के लिए मजहबी रहनुमाई का काम करता है। मुफ्ती मोहम्मद शफीक के पिता मोहम्मद रफीक सिकरीया ने बताया कि हमारे तेली समाज में इसे से पहले मेरे भाई हाफिज मोहम्मद फारूक ने भी हाफिज की डिग्री हासिल कर कोम तेलियांन का नाम रोशन किया और आज मेरे बेटे ने मुफ्ती बनकर समाज कोम तेलीयान को नई दिशा दी है। हमारे लिए बहुत ही फक्र की बात है। हमारे समाज में शिक्षा का अभाव था। लेकिन आज दिन और दुनिया की दोनों शिक्षाओं को अहमीयत दी जा रही है। समाज में खुशी की लहर है आज मुफ्ती बनकर मेरा बेटा जब शहर में पहुंचा तो रेलवे स्टेशन से लेकर घर तक समाज व अन्य लोगों ने फूल मालाओं से स्वागत किया और रैली के रूप में घर तक लेकर आए रास्ते में जगह-जगह फूल मालाओं से स्वागत किया गया। नई सड़क पर तेली महापंचायत राजस्थान के उपाध्यक्ष साजिद तुगलक, अनवर तुगलक, जाफर चौहान, असलम मलनस, सैयद चौहान, असगर चौहान, सलीम चौहान, की तरफ से फूल मालाओं से स्वागत किया एवं गौरी इलेक्ट्रॉनिक के आगे हारून गोरी, जाकिर गोरी, इस्माइल चौहान, मोहम्मद रफीक चौहान, बबलू चौहान द्वारा स्वागत किया गया। मोहम्मदी चौक पर समाज की ओर से स्वागत किया गया। मस्जिद तेलियान, मदीना मस्जिद, तौकीर उलूम, बादशाह कॉलोनी, तुगलक नगर, सिकरिया कॉलोनी, पहुंचे रास्ते में जगह-जगह मोहल्ले वासियों ने स्वागत किया। इस मौके पर चाचा मुबारक सिकरीया, हाफिज मोहम्मद फारूक, मकसूद मंडावरिया, मोहम्मद समीर मंडावरिया, सोहेल चौहान आदि उपस्थित रहे एवं सभी का आभार जताया।

पूर्व नगरपरिषद सभापति पायल सैनी को मिली बड़ी संगठनात्मक जिम्मेदारी

-राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस की महासचिव नियुक्त

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा जी की स्वीकृति से राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस की चौथी सूची जारी की गई है। इस सूची में चूरू जिले की पूर्व नगरपरिषद सभापति पायल सैनी को राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस की महासचिव नियुक्त किया गया है। पायल सैनी नगरपरिषद चूरू की सभापति के रूप में रहते हुए जनहित, शहरी विकास एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़े अनेक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा चुकी हैं। उनके प्रशासनिक अनुभव, संगठनात्मक क्षमता और ज़मीनी राजनीति की मजबूत पकड़ को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है। अपनी नियुक्ति पर पायल सैनी ने अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा जी, राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सरिका सिंह जी एवं समस्त पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे इस दायित्व को पूरी निष्ठा, समर्पण और संघर्ष के साथ निभाते हुए महिलाओं, युवाओं और आमजन की आवाज़ को संगठन के माध्यम से मजबूती से आगे बढ़ाएँगी। उनकी नियुक्ति से चूरू जिले सहित पूरे राजस्थान में महिला कांग्रेस संगठन को नई दिशा और नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है।

पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार हमीदा बेगम ने चूरू निज निवास पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर आज पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार हमीदा बेगम ने अपने निज निवास चूरू पर ग्रामीण क्षेत्र से आए हुए लोगों से मुलाकात की ओर शहर के गणमान्यजनों से शहर की दशा और दिशा पर चर्चा की जब मनरेगा के बारे में ग्रामीणों ने चर्चा की तो आपने कहा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह योजना न केवल अकुशल श्रमिकों को साल में 100 दिनों के रोजगार की कानूनी गारंटी देती है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी उन्मूलन और बुनियादी ढांचे के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।मेरे विचार में, मनरेगा ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और ग्रामीण पलायन को रोकने में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। हालांकि, समय पर भुगतान न होना और भ्रष्टाचार जैसी चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। यदि इन खामियों को दूर किया जाए, तो यह योजना समावेशी विकास का सबसे सशक्त माध्यम बनी रहेगी। लाभार्थियों के लिए नरेगा जॉब कार्ड जैसे डिजिटल टूल पारदर्शिता बढ़ाने में सहायक रहे हैं। गरीबों का सुरक्षा कवचः पार्टी के अनुसार, यह योजना केवल रोजगार नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जिसने करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। बदलाव का विरोधः वर्तमान में, केंद्र सरकार द्वारा योजना का नाम बदलकर "विकसित भारत- जी राम जी" (VB-G RAM G) करने और इसमें किए जा रहे संरचनात्मक बदलावों का कांग्रेस कड़ा विरोध कर रही है। यह गरीबों के अधिकारों पर हमला है भाजपा सरकार बजट में कटौती और भुगतान में देरी करके इस कानूनी अधिकार को कमजोर कर रही है। यह सरकार नाम बदलकर मनरेगा को कमजोर बनाना चाहती है। मास्टर मुंशीराम खारा, राकेश कुमार, नरेंद्र शर्मा, कालूराम, महबूब खान,राधेश्याम जी, अली खान, आदि काफी संख्या उपस्थित थे।

अखिल भारतीय वर्षीय यादव महासभा महिला में प्रदेश सचिव नियुक्ति

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील की डॉक्टर श्रीमती सुषमा यादव को अखिल भारतीय वर्षीय यादव महासभा(महिला) में प्रदेश सचिव के दायित्व पर चयनित नियुक्ति होने पर हमारे ओर से हमारे परिजनों की ओर से समाज बंधुओ की तरफ से बहुत-बहुत ढेर सारी बधाई हो हार्दिक शुभकामनाएं हो एवं सचिव बनने पर सुषमा यादव ने बताया कि मैं इस पद पर रहकर सर्व समाज को साथ लेकर एक छत के नीचे बिठाने का कार्य करूंगी।

दारूल उलूम इस्हाकिया में इस्लामी शिक्षा का भव्य उत्सव, 18 छात्राओं को मिली धार्मिक उपाधियाँ

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मुफ़्ती-ए-आज़म राजस्थान हज़रत मुफ़्ती शेर मोहम्मद खान रज़वी की सरपरस्ती में आध्यात्मिक इस्लामी शिक्षण संस्थान दारूल उलूम इस्हाकिया की शाखा मदरसा फ़ातिमा तुज़्ज़हरा बालिका तकनीकी केंद्र का वार्षिकोत्सव समारोह, हदीस-ए-बुख़ारी शरीफ़ का वाचन तथा इस्लामी डिग्री वितरण समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया। समारोह में आलिमा शबनम फ़ातिमा, आलिमा इकरा फ़ातिमा, आलिमा सना फ़ातिमा एवं आलिमा नूरानी फ़ातिमा सहित स्थानीय तथा बाहर से पधारी विदुषी आलिमाओं ने इस्लामी शिक्षा के महत्व पर सारगर्भित विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा के अभाव में मानव जीवन अधूरा रह जाता है तथा न तो सांसारिक जीवन में और न ही परलोक में सफलता संभव है। पैग़म्बर-ए-इस्लाम हज़रत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के कथन "शिक्षा नूर है" का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसी नूर के प्रकाश से मानव अपने लक्ष्य तक पहुँचता है। दारूल उलूम इस्हाकिया के प्रवक्ता शौकत अली ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर कुल 18 तालिबात (छात्राओं) को इस्लामी डिग्रियों से सम्मानित किया गया। इनमें 6 छात्राओं को आलिमा, 2 को हाफ़िज़ा तथा 10 को मुबल्लिगा की उपाधि प्रदान की गई। इस अवसर पर मुफ़्ती-ए-आज़म राजस्थान हज़रत मुफ़्ती शेर मोहम्मद रज़वी ने इस्लामी शिक्षा की विभिन्न उपाधियों का महत्व स्पष्ट करते हुए कहा कि जो महिला क़ुरआन-ए-करीम, हदीस, फ़िक़्ह, तफ़्सीर एवं अरबी भाषा की विधिवत शिक्षा प्राप्त कर दीन की गहन समझ रखती है, उसे आलिमा कहा जाता है। जिसने संपूर्ण क़ुरआन-ए-पाक को हिफ़्ज़ कर शुद्ध तज्वीद के साथ तिलावत की हो, वह हाफ़िज़ा कहलाती है। वहीं समाज में क़ुरआन व हदीस की शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार कर नैतिकता, भाईचारा एवं सद्भाव का संदेश देने वाली महिला मुबल्लिगा कहलाती है। कार्यक्रम के दौरान देश में आपसी भाईचारे, राष्ट्रीय एकता, खुशहाली, देश-प्रेम, अमन एवं शांति के लिए विशेष दुआएँ की गईं।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि एवं शहीद दिवस पर आयोजित ब्लड कैम्प में 65 युवाओं ने किया रक्तदान

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि एवं शहीद दिवस के अवसर पर शुक्रवार 30 जनवरी को बुझावड़ स्थित मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर संयोजक एवं मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के चेयरमैन मोहम्मद अतीक ने बताया कि हमारे आदर्श एवं देश के मुख्य स्वतंत्रता सेनानी की शहादत दिवस पर यूनिवर्सिटी विद्यार्थियों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने एवं गांधीजी के बताये सत्यमार्ग पर चलने के उद्देश्य से ये ब्ल्ड कैम्प आयोजित किया गया। यूनिवर्सिटी के डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान ने बताया कि विश्वविद्यालय की विभिन्न संकायों की फैकल्टी एवं स्टूडेन्ट सहित कुल 65 लोगो ने रक्तदान किया और रक्तदान के प्रति आमजन को जागरूक करने का संकल्प लिया। हिन्दी विभाग असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रेहाना बेगम ने बताया कि महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर यूनिवर्सिटी के सभी स्टाफ सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं ने दो मिनट का मौन रख उन्हें खिराजे अकीदत (श्रंद्धाजलि) पेश की। डिपार्टमेन्ट ऑफ पब्लिक हैल्थ के असिस्टेंट प्रोफेसर सलमान खान एवं फैकल्टी ऑफ फिजियोथैरेपी की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. समृद्धि सचदेवा ने जानकारी दी कि इस मौके पर एएसजी नेत्र चिकित्सालय की टीम द्वारा निःशुल्क 143 लोगो के आंखों की जांच भी की गई। ब्लड कैम्प में बतौर अतिथि मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेसी सुपारस भंडारी, पूर्व पाषर्द ईदू खान मेहर, पूर्व पार्षद दानिश फौजदार, समाजसेवी रफीक कांरवां, मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसायटी के सदस्य अफजल कुरैशी, सईद खिलजी, मोहम्मद आरिफ चुंदड़ीगर, अब्दुल रहीम मोदी, इशाक गौरी, यूनाईटेड उम्माह वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष अब्दुल रहीम सांखला, महासचिव अब्दुल रशीद अंसारी, सदस्य जावेद हुसैन ईदगाह, समाजसेवी असद चुंददीगर, इम्तियाज चुंदडीगर, आसिफ गौरी, अतीक मोदी सहित आस-पास के क्षेत्र एवं शहर के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कैम्प की सफलता में मुख्य रूप से यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स डीन डॉ. सय्यद मोईनउलहक, साजिद खान जोधाणा, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. फरहाना सिद्दीकी, डॉ. सदाकत बशीर, डॉ. मुजफ्फर कुरैशी, डॉ. अब्दुल्लाह खालिद, सोहेब अली, इकबाल खान सहित समस्त स्टाफ एवं स्टूडेन्ट्स का खास सहयोग रहा। एमडीएम व उम्मेद अस्पताल की रक्तकोष टीम एवं एएसजी नेत्र चिकित्सालय टीम का विशेष सहयोग रहा।

सीरत सराय चैरिटी ट्रस्ट में ध्वजा रोहण

भीलवाडा (रॉयल पत्रिका)। स्टेशन रोड स्थित सीरत सराय (मुसाफिर खाना) में 77 वां गणतंत्र दिवस समारोह शान-ओ-शौकत से मनाया गया। प्रात 11:30 बजे संस्था के ट्रस्टी अब्दुल सलाम मंसूरी ने ध्वजारोहण किया। ट्रस्ट के चैयरमेन शब्बीर अहमद शेख व सेक्रेट्री अब्दुल सलाम मंसूरी ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला व साथ ही वक्फ तरमीम कानून 2025 के मद्देनजर हुकुमत-ए-हिन्द के सैन्ट्रल "उम्मीद पोर्टल" पर वक्फ जायदादों को अपलोड करने के बारे जानकारी दी। और उम्मीद पोर्टल पर बहतरीन खिदमात को अन्जाम देने पर ट्रस्ट के मुलाजिमों की हौसला अफजाई के बतौर गुलपोशी कर ऐजाज नामा से नवाजा गया। साथ ही मुल्क के अमनो अमान और तरक्की के लिए भी दुआं की गई।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

HAPPY 20TH ANNIVERSARY ROYAL PATRIKA
ANWAR ALI PRESIDENT
ADMISSION OPEN AT A.P.S. SCHOOL
IQBAL DANISH KHAN DIRECTOR
Give Your Child The Best Start
28, M. K. Vihar, Nai ki Thadi, Ramgarh Road, Jaipur
Mob. 9001289681, 9929169681

पद्मश्री गफरुद्दीन मेवाती का अलवर निवास पर हुआ भव्य स्वागत-सत्कार

अलवर (रॉयल पत्रिका)। समाज के गौरव, शिक्षा एवं राष्ट्रसेवा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देने वाले तथा पद्मश्री सम्मान से अलंकृत गफरुद्दीन मेवाती के अलवर स्थित निवास पर आगमन पर भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती के नेतृत्व में उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर पद्मश्री गफरुद्दीन मेवाती का अभिनंदन किया तथा समाज, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय योगदान की मुक्तकंठ से सराहना की। साथ ही पद्मश्री सम्मान प्रदान किए जाने हेतु देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के प्रति आभार व्यक्त किया गया। प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने अपने संबोधन में कहा कि पदम गफरुद्दीन मेवाती जैसे व्यक्तित्व समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनका संपूर्ण जीवन संघर्ष, सेवा और समर्पण का प्रतीक है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी गणमान्यजनों एवं कार्यकर्ताओं ने पद्मश्री गफरुद्दीन मेवाती के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना की। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष जंग बहादुर पठान एवं अयूब खान, प्रदेश मंत्री आलम शौकीन, सोशल मीडिया सह-संयोजक आरिफ खान धीमरी, मोर्चा अलवर दक्षिण जिला अध्यक्ष इब्राहिम खान, अलवर उत्तर जिलाध्यक्ष सहरून खान, भरतपुर जिला अध्यक्ष याकूब खान, पहाड़ी पंचायत समिति प्रधान मुबीन खान, कुलवंत सिंह, जावेद खान, जाकिर हुसैन, सहजाद खान, सहित बड़ी संख्या में मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

E-Mitra राजस्थान सरकार की ऑनलाइन सर्विसेज
Cyber Cafe WESTERN UNION MONEY TRANSFER
AIR/RAILWAY TICKET
PASSPORT/PAN CARD / D.L.
MONEY TRANSFER anytime anywhere
RNC ONLINE ALL WORK RENEWAL & REGISTRATION
(देशी/विदेशी) स्पेशल टूर पैकेज उपलब्ध है आपकी सुविधानुसार
THE COMPUTER KING
साईबर कैफे एवं मनी ट्रान्सफर कंपनी
F-178, Subhash Marg, Near OTH, C-Scheme, Jaipur
Tel: 0141 4017743, 93140 67743,
e-mail: computerkingjaipur@gmail.com

दवाओं के बोझ तले दबे हमारे बुजुर्ग

-'एपिकॉन 2026' में डॉ. सुमीत गर्ग ने दुनिया को चेताया

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। बिहार की राजधानी पटना में आयोजित दुनिया की सबसे बड़ी फिजिशियन कॉन्फ्रेंस 'एपिकॉन 2026' में बुजुर्गों के गिरते स्वास्थ्य और उन पर बढ़ते दवाओं के बोझ (पिल बर्डन) का मुद्दा छाया रहा। इस वैश्विक मंच पर गर्ग हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के निदेशक एवं वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. सुमीत गर्ग ने अपना महत्वपूर्ण शोध पत्र प्रस्तुत किया। डॉ. गर्ग का यह शोध इतना प्रभावी रहा कि इसे प्रतिष्ठित मेडिकल टेक्स्टबुक 'मेडिसिन अपडेट' में एक विशेष अध्याय के रूप में शामिल किया गया है। डॉ. सुमीत गर्ग ने बताया कि 65 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों में एक साथ कई बीमारियों के चलते दवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। चिकित्सा की भाषा में इसे 'पॉलीफार्मेसी' कहा जाता है, जहाँ एक मरीज 5 या उससे अधिक दवाएं लेता है।

चौंकाने वाला शोध-

डॉ. गर्ग ने वैश्विक आंकड़ों के हवाले से बताया कि दुनिया के 60 प्रतिशत बुजुर्ग पॉलीफार्मेसी के शिकार हैं। भारत के महानगरों में तो यह स्थिति और भी भयावह है, जहाँ 30 से 70 प्रतिशत बुजुर्ग भारी मात्रा में दवाएं ले रहे हैं।

दुष्प्रभाव-

अत्यधिक दवाओं के कारण बुजुर्गों में गिरने, फ्रैक्चर होने, मानसिक भ्रम (क्मसपतपनउ) और गुर्दे की बीमारियों का खतरा 10 गुना बढ़ जाता है।

दवाओं का 'जाल' और प्रिस्क्राइबिंग कास्केड-

डॉ. गर्ग ने एक गंभीर समस्या 'प्रिस्क्राइबिंग कास्केड' पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अक्सर एक दवा के साइड इफेक्ट को नई बीमारी समझ लिया जाता है और उसके लिए एक और दवा लिख दी जाती है। इस तरह बुजुर्ग दवाओं के एक अंतहीन चक्र में फंस जाते हैं, जिससे उनका जीवन सुगम होने के बजाय और कठिन हो जाता है।

कैसे बचें इस बोझ से? फिजिशियन और परिवार की भूमिका-

डॉ. सुमीत गर्ग ने अपने शोध पत्र में इस समस्या से निकलने का व्यावहारिक समाधान भी पेश किया।

फिजिशियन की जिम्मेदारी-

डॉक्टरों को समय-समय पर 'मेडिकेशन रिव्यू' करना चाहिए। डॉ. गर्ग ने 'डी-प्रिस्क्राइबिंग' (अनावश्यक दवाओं को बंद करना) पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि फिजिशियन को Beers Criteria और STOPP/START जैसे टूल्स का उपयोग कर यह जांचना चाहिए कि कौन सी दवा बुजुर्ग के लिए घातक हो सकती है।

परिवार और समाज का साथ-

बुजुर्ग खुद कई बार दवाओं का हिसाब नहीं रख पाते। परिवार के सदस्यों को उनके 'मेडिकेशन चार्ट' पर नजर रखनी चाहिए। दवाओं को सरल बनाने के लिए 'पिल-बॉक्स' या 'रिमाइंडर ऐप्स' का उपयोग करना चाहिए।

मनोवैज्ञानिक सहयोग-

दवाओं का अधिक बोझ बुजुर्गों में 'डिपेंडेंसी' (निर्भरता) का अहसास पैदा करता है, जिससे वे मानसिक रूप से कमजोर महसूस करते हैं। परिवार को उन्हें भावनात्मक संबल देना चाहिए ताकि वे खुद को बीमार न समझें।

गोलियां नहीं, जीवन की गुणवत्ता है जरूरी-

डॉ. सुमीत गर्ग ने अपने व्याख्यान का समापन करते हुए कहा, "हमारा उद्देश्य बुजुर्गों की उम्र बढ़ाना ही नहीं, बल्कि उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाना है। प्रबंधन का अर्थ केवल गोलियां कम करना नहीं, बल्कि सही दवा को सही कारण के लिए देना है।" पटना में आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में डॉ. गर्ग के इस शोध को देश-दुनिया के विशेषज्ञों ने सराहा और इसे भविष्य की 'जेरियाट्रिक केयर' (बुजुर्ग देखभाल) के लिए एक मील का पत्थर बताया।

किसान, युवा, महिला, ग्रामीण, रोज़गार और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर पूरी तरह विफल रहा केंद्र सरकार का बजट- सांसद हरीश चंद्र मीना

शादाब अली

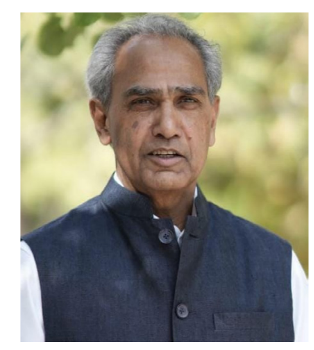

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। टोंक–सवाई माधोपुर सांसद हरीश चन्द्र मीना ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट 2026 को किसान-विरोधी, युवा-विरोधी, महिला-विरोधी, ग्रामीण-विरोधी और रोज़गार-विरोधी बताते हुए इसे सामाजिक न्याय के खिलाफ करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह बजट आमजन की अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरा उतरने में विफल रहा है। सांसद मीना ने कहा कि बजट में न तो किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी दी गई है, न ही महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा को लेकर कोई ठोस प्रावधान किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार सृजन हेतु कोई नई योजना नहीं लाई गई, जिससे स्पष्ट है कि सरकार को ग्रामीण भारत की चिंताओं से कोई सरोकार नहीं है।

शिक्षा जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र की बजट में उपेक्षा :-

उन्होंने कहा कि शिक्षा जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र की इस बजट में पूरी तरह उपेक्षा की गई है, जो देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। साथ ही दलित, आदिवासी, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए भी बजट में कोई ठोस या नई योजना शामिल नहीं की गई, जिससे साफ़ जाहिर होता है कि सरकार गरीब और वंचित वर्गों को और पीछे धकेल रही है। सांसद ने आरोप लगाया कि बजट में पूंजीपतियों को खुलेआम लाभ पहुंचाया गया है। देश का पैसा लूटने वालों को सज़ा से राहत देते हुए केवल 30 प्रतिशत टैक्स जमा कर काले धन को सफ़ेद करने जैसे प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट आम जनता से संसाधन छीनकर चुनिंदा उद्योगपतियों को सौंपने का दस्तावेज़ है, जिसे देश की जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने बताया कि उन्हें आशा थी कि इस बजट में अजमेर–सवाई माधोपुर वाया टोंक रेल मार्ग के निर्माण की घोषणा की जाएगी तथा हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित टोंक एवं सवाई माधोपुर जिलों के लिए किसी विशेष आर्थिक पैकेज का प्रावधान किया जाएगा, लेकिन माननीय वित्त मंत्री द्वारा इस विषय में एक शब्द भी नहीं बोला गया, जो क्षेत्र की जनता के प्रति घोर उपेक्षा को दर्शाता है।

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
न्यू राजधानी मोटर्स
हसन कुरैशी
मोटर, कंट्रोलर, चार्जर और सर्विस सेंटर
A-26, SNG ग्रुप बिल्डिंग, अमानी शाह रोड़, शास्त्री नगर, जयपुर। Mob. 9660407358

मुख्य रास्ते पर कचरे का ढेर, दुर्गंध से लोगों का हाल बेहाल

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। श्रीमहावीरजी कस्बे में बालाजी मंदिर मोड़ के पास स्थित मुख्य मार्ग पर जमा कचरे के ढेर ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। सीबीईओ कार्यालय के पीछे से होकर इंदिरा कॉलोनी को मुख्य बाजार से जोड़ने वाला यह रास्ता रोजाना सैकड़ों लोगों की आवाजाही का केंद्र है, लेकिन यहां फैली गंदगी और दुर्गंध के कारण राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी तेज सिंह एडवोकेट ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार निजी खर्च पर मजदूर लगवाकर कचरा हटवाया गया और रात के समय रोशनी के लिए लाइट भी लगवाई गई, लेकिन प्रशासनिक अनदेखी के चलते हालात में कोई स्थायी सुधार नहीं हुआ। उनका कहना है कि संबंधित विभागों को स्थिति की पूरी जानकारी होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। कचरे के ढेर और बदबू के कारण पैदल चलने वालों के साथ-साथ दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को भी आवागमन में कठिनाई हो रही है। खासकर इंदिरा कॉलोनी के युवा और स्थानीय निवासी इस स्थिति को लेकर नाराज नजर आ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही इस मुख्य मार्ग की नियमित सफाई और स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो वे अपनी बात को सामूहिक रूप से सामने रखने के लिए मजबूर होंगे। कस्बावासियों ने प्रशासन से मांग की है कि आमजन की सुविधा और स्वास्थ्य को देखते हुए इस समस्या का तुरंत समाधान किया जाए।

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर
एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
राजधानी ई मोटर्स
मोहम्मद नूरुद्दीन
अध्यक्ष : हवामहल विधानसभा युवा कांग्रेस
73, जेपी कॉलोनी, अमानीशाह रोड, शास्त्री नगर, जयपुर Mob. 9982333338, 8114467115

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर एवं 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
QR
Abdul Qayum Qureshi
Imran Qureshi
44 वर्षों से आपकी सेवा में समर्पित
QURESHI ROADWAYS (Regd.)
(FLEET OWNERS, TRANSPORT CONTRACTOR & COMMISSION AGENT)
Special Service : Jaipur Local All Rajasthan & All Over India
TATA 407 709, 909, 1109 1214, LPT 24 Hourse Available
Ikram Qureshi 9829044209, 9351492126
Dilshad Bhai 9799786534
Raja Bhai : 9829029209
Packers & Movers Service : Domestic & Official Goods For Jaipur Local & All Over India
1st Corner, Khandelwal Market
Sansar Chandra Road, Jaipur (Raj.)
E-mail : jprqureshiroadways@gmail.com
Ph. : 0141-2361592, 2370391

उमराह टूर्स ऑफ इंडिया के द्वारा उमराह पर जाने वालों को सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाता है
उमराह करने वालों की पहली पसंद बना हुआ है । उमराह टूर्स ऑफ इंडिया द्वारा उमराह यात्रियों को वादे के अनुसार सुविधाएं दी जाती हैं ।
12 साल से जयपुर में ऑफिस / 4 साल से दिल्ली में ऑफिस
जयपुर। उमराह टूर्स ऑफ इंडिया :-
पिछले 10 वर्षों से उमराह के टूर्स लगातार ले जा रहा है। उमराह टूर्स ऑफ इंडिया का जयपुर के शास्त्री नगर में हैड ऑफिस है। विश्व के 155 हवाई अड्डों पर अपनी विमान सेवा संचालित करने वाली एयर अरेबिया ने सन् 2018 में उमराह टूर्स ऑफ इंडिया को टॉप ट्रेवल एजेंट अवॉर्ड से भी सम्मानित किया है। उमराह टूर्स ऑफ इंडिया का काम हाजी अब्दुल हमीद मन्सूरी की देख-रेख में हो रहा है जो पहले भारतीय स्टेट बैंक में शाखा प्रबंधक थे। इस साल से दिल्ली में ऑफिस खोलकर राष्ट्रीय स्तर पर भी उमराह का काम शुरु कर दिया है।
हाजियों के लिए सुविधाएं :- मक्का और मदीना में नजदीक रहने के लिए होटल की सुविधा दी जाती है। कपड़ों की धुलाई व प्रेस, हर महीने कम से कम तीन टूर्स , बुफे नाश्ता, लंच, डिनर की सुविधा दी जाती है। उमराह यात्रियों के लिए फ्लाइट जयपुर, दिल्ली एवं मुंबई से उपलब्ध है। ठहरने के लिए ए.सी. कमरों में मिनी फ्रिज, अटैच लेटबाथ के साथ आदि की सुविधा दी जाती है। उमराह यात्री को मक्का मदीना की जियारतें तजुर्बेकार गाइड के साथ करवाई जाती है। यात्री को 5 लीटर आबे ज़मज़म, एक बड़ा बैग एवं एक छोटा बैग सामान रखने के लिए उपलब्ध करवाया जाता है।
बुकिंग के लिए राब्ता : 8952937611
पता : एस-2, राधागोविन्द कॉम्पलेक्स-4, नाहरी का नाका, कब्रिस्तान के पास, शास्त्री नगर, जयपुर।
बगदाद, नजफ और कर्बला की जियारतें
उमरा टूर्स ऑफ़ इंडिया की ओर से पिछले वर्ष से उमराह के साथ-साथ इराक में बगदाद, नजफ और कर्बला की जियारतों का काम शुरू किया गया था। इराक में बगदाद, नजफ और कर्बला के जियारत करने वाले जायरीनो की संख्या दिनों दिन बढ़ रही है।
उमराह टूर्स ऑपरेटर्स के लिए अन्य सुविधाएं :-
उमराह टूर्स ऑपरेटर्स के लिए सिर्फ टिकिट, सिर्फ वीजा, सिर्फ होटल, सिर्फ खाना, सिर्फ ट्रांसपोर्ट जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं ।
मक्का में इबादत - मदीना में इबादत
उमराह टूर्स ऑफ इंडिया
(अब्दुल हमीद मन्सुरी भूतपूर्व शाखा प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक)
फिक्स तारीखों में रवानगी
सुविधाएँ:
• नज़दीक होटल मक्का में
• नज़दीक होटल मदीना में
• कपड़ों की धुलाई व प्रेस
• हर माह कम से कम 3 टूर्स
•बुफे नास्ता / बुफे लंच / बुफे डिनर
• फ्लाइट जयपुर, दिल्ली, मुंबई से
• एसी कमरे, मिनी फ्रिज, अटैच लेट बाथ के साथ
• मक्का व मदीना में जियारत तजुर्बेकार गाइड के साथ
• आबे जमजम 5 लीटर पैक
• एक बड़ा बैग व एक छोटा बैग

अरमान मलिक की कप्तानी पारी से कॉरपोरेट T20 कप में एलीट ईगल वॉरियर का दबदबा

कोटा (रॉयल पत्रिका)। कॉरपोरेट T20 कप क्रिकेट टूर्नामेंट में एलीट ईगल वॉरियर के कप्तान अरमान मलिक ने अपने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन से टीम को लगातार मजबूती प्रदान की है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में उनका योगदान एलीट ईगल वॉरियर की सफलता का मुख्य आधार बनकर सामने आया है। हाल ही में खेले गए मुकाबले में एलीट ईगल वॉरियर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 213 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। इस पारी में कप्तान अरमान मलिक ने 44 गेंदों में 78 रन की तेजतर्रार पारी खेली। उनकी इस पारी में 10 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। उनके साथ हरप्रीत ने 42 रन और देवेश चौधरी ने नाबाद 39 रन बनाकर टीम के स्कोर को मजबूती दी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नाइट चार्जर्स की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई और एलीट ईगल वॉरियर की सधी हुई गेंदबाजी के सामने पूरी तरह बिखर गई। पूरी टीम 13.4 ओवर में मात्र 66 रन पर ऑलआउट हो गई। गेंदबाजी में कप्तान अरमान मलिक ने बेहतरीन लय में गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 22 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट झटके और मैच का रुख पूरी तरह अपनी टीम के पक्ष में मोड़ दिया। पूरे टूर्नामेंट की बात करें तो अरमान मलिक का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है। अब तक खेले गए 7 मैचों में उन्होंने 337 रन बनाकर रन तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया है। इसके साथ ही 9 विकेट लेकर वे गेंदबाज़ी में भी अग्रणी खिलाड़ियों में शामिल हैं। उनके इस ऑलराउंड प्रदर्शन से एलीट ईगल वॉरियर की टीम कॉरपोरेट T20 कप की मजबूत खिताबी दावेदार बनकर उभरी है।

सुकेत अवैध अतिक्रमण का विरोध बना विवाद, महिला ने अधिशाषी अधिकारी पर लगाए गंभीर आरोप

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। नगर पालिका सुकेत क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने प्रशासनिक अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। यह मामला सुकेत थाना क्षेत्र के होली खूंट वार्ड नंबर 15 का बताया जा रहा है। पीड़िता हीरा बाई का आरोप है कि उनके मकान के पास सरकारी नाले और आम रास्ते पर अवैध अतिक्रमण कर चबूतरा बनाया जा रहा था। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो अतिक्रमण करने वाले व्यक्ति द्वारा उनके साथ गाली-गलौच की गई। महिला का कहना है कि नगर पालिका में शिकायत देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़िता का आरोप है कि 29 जनवरी को जब नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी हेमेंद्र सांखला मौके पर पहुंचे, तो अतिक्रमण हटाने के बजाय उन्होंने महिला के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया। आरोप है कि अधिशासी अधिकारी ने महिला को गंभीर मामले में फंसाने, थाने में रिपोर्ट दर्ज नहीं कराने और रिपोर्ट कराने पर थाने में ही पिटाई करवाने तक की धमकी दी। महिला का कहना है कि एक जिम्मेदार सरकारी अधिकारी द्वारा इस तरह का व्यवहार न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि एक महिला की गरिमा पर सीधा हमला भी है। पीड़िता हीरा बाई ने इस पूरे मामले को लेकर उपखंड अधिकारी चारु वर्मा और पुलिस उप अधीक्षक घनश्याम मीणा को लिखित शिकायत देकर अवैध अतिक्रमण हटाने और अधिशासी अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में एसडीएम और पुलिस उप अधीक्षक ने निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं अधिशासी अधिकारी हेमेंद्र सांखला ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि महिला द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं, वे केवल मौके पर स्थिति का जायजा लेने गए थे और उनका महिला से कोई विवाद नहीं हुआ।

एक ही रात में दो घटनाओं से सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

-मुक्तिधाम से एक बार फिर अस्थियां गायब, पहले भी गायब हो चुकी हैं अस्थियां, लोगों में आक्रोश

रामगंजमंडी (रॉयल पत्रिका)। शहर के मुक्तिधाम में अस्थियों के मायब होने की घटनाएं लगातार सामने आ रही है। बार-बार हो रही इन घटनाओं ने मुक्तिधाम की सुरक्षा व्यवस्था, देखरेख और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ताब मामला उस समय उजागर हुआ, जब परिजन तीये की सम के लिए मुक्तिधाम पहुंचे। लेकिन वहां अस्थियां और राख खुर्द-बुर्द अथवा पूरी तराहा गावच मिली। हनुवंतखेड़ा रोड निवासी मनी बाई पानी मोगीलाल माली (95) के निधन के बाद परिजन जब तीये की ररंग के लिए मुक्तिधाम पहुंचे, तो उनकी अस्थियां बिखरी हुई एवं क्षतिग्रस्त अवस्था में मिलीं। यह दृश्य देखवन परिजन स्तब्ध या गए और मुक्तिधाम की अव्यवस्था को लेकर गहरा रोष जताया। इसी तरह दूसरी घटना पंजाबी गली निवासी कंचन चाई पत्नी गोरधन लाल सेन (उम्र 70 वर्ष) से जुड़ी है। 28 जनवरी की रात्रि अचानक तबीयत बिगड़ने पर उनी अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। अंतिम संस्कार के बाद जब परिजन घटनाओं पर तत्काल रोक लगाने की मांग, क्षेत्रवासियों का कहना है कि मुक्तिधाम जैसी अत्यंत संवेदनशील जगह पर सुरक्षा, निगरानी और जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। परिजनों ने स्थानीय प्रशासन को मामले की की सूचना देकर निष्पक्ष जांच कराने और ऐसी घटनाओं परतत्काल रोक लगाने की मांग की है। जीये की रस्म के लिए मुक्तिधाम पहुंचे, तो वहां उनकी अस्थियां और राख पूरी तरह गायब मिलीं। परिजनों का कहना है कि अस्थियों को सुरक्षित मुक्तिधाम में रखा गया था। लेकिन रस्म के समय वहां कुछ भी नहीं मिला। एक ही रात में दो घटनाएं सामने आने के बाद परिजनों एवं शहरवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया। लोगों ने मुक्तिधाम की सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी रामगंजमंडी मुक्तिधाम में ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। 22 दिसंबर को पंजाबी समाज के रामप्रकाश मदान की अस्थियां गायव हुई थीं।। जनवरी को ब्रहापुरी बाजार नंबर दो निवासी मुन्नी बाई सोनी की अस्थियां लापता मिली थी। जबकि 6 जनवरी की गायत्री धाम कॉलोनी निवासी लीला देवी की अस्थियां और राख पूरी तया गायब पाई गई थीं।

पालिकाध्यक्ष ने परिजनों को दी सांत्वना-

घटना की जानकारी मिलने पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अखिलेश मेडतवाल मुक्तिधाम पहुंचे और उन्होंने पीड़ित परिजनों को सांत्वना दी। साथ ही उन्होंने जल्द ही मुक्तिधाम परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने का भरोसा दिलाया। इनका कहना है सूचना मिली थी कि मुक्तिधाम में दी परिवार तीये की रस्म के लिए पहुंचे थे। एक मामले में कंचन बाई की अस्थियां पूरी तरह गायब पाई गई। जबकि दूसरे मामले में मनी बाई माली की अस्थियों और राख को खुर्द-बुर्द किए जाने का प्रयास हुआ है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद स्थित्ति स्पष्ट की जाएगी।

दारूल उलूम अता-ए-रसूल का 11 वां वार्षिक जलसा संपन्न

-तालीम से ही समाज की तरक्की संभव- मौलाना फ़ज़ले हक

कोटा.(रॉयल पत्रिका) हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दारूल उलूम अता-ए-रसूल का 11 वां वार्षिक जलसा, रज़ा नगर में मनाया गया, जिसमे आलिम हाफ़िज़ बनने वाले तलबावों को सर्टिफिकेट व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। जलसे में उलेमाओ इमामों व शहर के बुद्धिजीवियों ने शिरकत की। जलसे की सरपरस्ती डॉ. सैय्यद महफ़ूज़ुर्रहमान इमाम जामा मस्जिद चन्द्रघटा व अध्यक्षता मौलाना फज़्ले हक पूर्व चेयरमेन राजस्थान मदरसा बोर्ड ने की। मुफ़्ती शाहबाज़ आलम ने निज़ामत की। समाजसेवी मुहम्मद मियाँ मुख्य अतिथि रहे। आसिफ़ ख़ान, हशरूद्धीन पठान, ज़फ़र अली ठेकेदार, शैख़ वकील, लियाक़त अली, सोनू अब्बासी पार्षद विशिष्ट अतिथी रहे। मुफ़्ती सलीमुर्रहमान, मौलाना सईद मुख़्तार, मौलाना अलाउद्दीन, मौलाना कमरुद्दीन, हाफ़िज़ यामिन, क़ाज़ी इमरान ने मदरसों को दीनी तालीम के साथ आधुनिक शिक्षा से और जोड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. सैय्यद महफ़ूज़ुर्रहमान द्वारा दारूल उलूम अता-ए-रसूल के संस्थापक मौलाना मोहम्मद फज़्ले हक, हाजी मुहम्मद मियाँ व हाजी अब्दुल अज़ीज़ के नाम की शिलापट्टी लगाकर उद्घाटन किया।

अवैध हथियारों के विरुद्ध झालरापाटन पुलिस की कार्यवाही

-एक अवैध देशी रिवॉल्वर बरामद, एक अभियुक्त गिरफ्तार

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि 31.01.2026 की रात्रि को थाना झालरापाटन पुलिस ने अवैध हथियारों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए अभियुक्त संजय उर्फ जीवन के कब्जे से एक अवैध देशी रिवॉल्वर बरामद कर अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। घटना का विवरण अभियुक्त की गिरफ्तारी, जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करी व अवैध हथियारों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने बाबत विशेष अभियान चलाया जाकर जिले के समस्त थानाधिकारियों को अधिकाधिक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए हुए है। अभियान के तहत भागचन्द मीणा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झालावाड़ के सुपरविजन, हर्षराज सिंह खरेडा वृत्तिधिकारी वृत झालावाड के निर्देशन मे अल्का पु.नि. थानाधिकारी थाना झालरापाटन के नेतृत्व में थाना झालरापाटन पर गठित विशेष टीम द्वारा 31.01.2026 की रात्रि को गश्त एवं अवैध कार्यों की चैकिंग के दौरान ग्रोथ सेन्टर चौराहा झालरापाटन से अभियुक्त संजय उर्फ जीवन निवासी ग्राम चांदियाखेडी थाना सदर झालावाड के कब्जे से एक अवैध देशी रिवॉल्वर बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। अभियुक्त से अवैध हथियार कंहा से लाया तथा हथियार कब्जे मे रखने के प्रयोजन के सम्बन्ध मे अनुसंधान किया जा रहा है।

गिरफ्तार अभियुक्तः- संजय उर्फ जीवन पुत्र रामदयाल जाति यादव उम्र 23 साल निवासी नई कॉलोनी चांदियाखेडी थाना सदर झालावाड़ जिला झालावाड़।

पुलिस टीमः- अल्का पु.नि. थानाधिकारी उ.नि. सुनील कुमार, कानि. सूरज करण, विशेष भूमिका- करण सिंह कानि. (आसूचना अधिकारी)

इंजी. इंसाफ आजाद के सान्निध्य में गुजरात प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की बैठक संपन्न

सूरत/कोटा (रॉयल पत्रिका)। गुजरात प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की ओर से सूरत में एक महत्वपूर्ण सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कांग्रेस प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष कदीर बावा पीरज़ादा तथा इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद पीरज़ादा, एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट, नेशनल को-ऑर्डिनेटर, ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग एवं गुजरात प्रभारी की प्रेरक उपस्थिति एवं सानिध्य में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में मुस्लिम समाज से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों एवं SIR विषय पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर गुजरात प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन वजीर खान ने मार्गदर्शक संबोधन देते हुए संगठन की मजबूती, समाज के अधिकारों की रक्षा तथा भविष्य की रणनीतियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समाज के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर कांग्रेस की विचारधारा को सशक्त करने और समाजहित में निरंतर संघर्ष करने का संकल्प लिया।

एसडीपीआई के स्टेट ट्रेजरार की बेटी का निकाह सादगी के साथ सम्पन्न

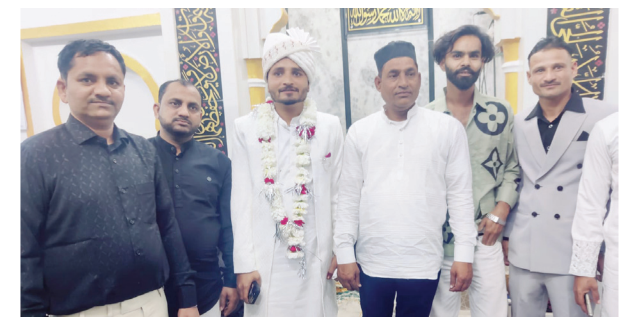

बारां (रॉयल पत्रिका)। शहर में इन दिनों मस्जिदों में निकाह की संख्या में इजाफा देखने को मिल रहा है। जिससे कि समाज में अच्छा संदेश जा रहा है, इसी के तहत सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के प्रदेश कोषाध्यक्ष जाकिर हुसैन रंगरेज की बेटी आसिमा का निकाह मध्यप्रदेश के श्योपुर निवासी रेहान अली से मस्जिद बारां भाईयान में सादगी के साथ सम्पन्न हुआ, निकाह मुफ्ती मोहम्मद उमर साहब ने पढ़ाया। निकाह में किसी भी प्रकार का दहेज नहीं दिया ओर नहीं लिया गया। न ही पहरावनी की कोई रस्म हुई। निकाह की मजलिस में शहर के कई गणमान्य लोगों के अलावा एसडीपीआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद शफी, प्रदेशाध्यक्ष अशफाक हुसैन, प्रदेश महासचिव नदीम अख्तर, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य इफ्तिखार अहमद बबलू, जिलाध्यक्ष अब्दुल अजीज अज्जू सहित कई लोगों ने शिरकत कर दूल्हा दुल्हन को नेक दुआओं से नवाजा।

नियम पालन और जागरूकता ही सड़क पर सुरक्षा की गारंटी - विधायक मीणा

-जिले में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह अभियान 2026 का समापन

शब्बीर हुसैन

बारां(रॉयल पत्रिका)। किशनगंज विधायक डॉ. ललित मीणा ने कहा कि थोड़ी सी लापरवाही के कारण होने वाले सड़क हादसे जीवनभर की पीड़ा देते हैं। सजगता और जागरूकता से हम इन दुर्घटनाओं से स्वयं और परिवार की रक्षा कर सकते हैं। जिले में बीते एक माह के दौरान वाहन चालकों और आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान के माध्यम से सराहनीय कार्य किया गया है। जिससे सड़कों पर होने वाले हादसों में कमी आएगी। विधायक मीणा ने यह बात शनिवार को जिले में पिछले एक माह से चल रहे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान 2026 के जिला परिषद के सभागार में आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सड़कों पर सावधानी और लापरवाही से बचाव ही दुर्घटनाओं से बचने का सबसे बड़ा माध्यम है। सभी को यातायात नियमों का पालन करते हुए नियंत्रित गति के साथ वाहन चलाने का संकल्प लेना चाहिए। विधायक ने इस अवसर पर सभी को सड़क सुरक्षा की शपथ भी दिलवाई। जिला परिवहन अधिकारी एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति की नोडल अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा के नेतृत्व में संचालित अभियान के अंतर्गत आयोजित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों में योगदान देने वाले व प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले अधिकारियों, संस्थाओं एवं प्रतिभागियों को भी सम्मानित व पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजवीर सिंह चौधरी, किशनगंज उपखंड अधिकारी राकेश कुमार, उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास दुर्गाशंकर मीणा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव सक्सेना, जिला शिक्षा अधिकारी गेंदालाल रैगर, जिला शिक्षा अधिकारी हरिमोहन गालव भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में संबोधित करते हुए जिला परिवहन अधिकारी डॉ. शर्मा ने अपने प्रतिवेदन में माह भर आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता रैलियों, प्रतियोगिताओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं जन-जागरूकता अभियानों की जानकारी साझा की तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए आमजन से यातायात नियमों की पालना करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बाल गायक नवांश गौतम ने सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा पर आधारित सुमधुर व प्रेरक गीत की प्रस्तुति दी। साथ ही अपेक्स स्कूल और अन्य विद्यालय के बच्चों ने सड़क सुरक्षा गीत सुनाए और नुक्कड़ टीम द्वारा प्रेरक रोल प्ले किया गया। जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य हरीश कुमार एवं रघुवीर सहित अन्य सहयोगियों संस्था सदस्यों की भागीदारी रही। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. हेमलता वैष्णव द्वारा किया गया।

जिक्र इलाही ई-मित्र संचालक अमजद गौरी फर्जीवाड़ा जालसाजी करके फरार

-जाली हस्ताक्षर और नकली मोहर से तैयार करता था दस्तावेज

-फर्जी पहचान पत्र बनवाने का खेल उजागर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र जिक्र इलाही ई-मित्र संचालक अमजद गौरी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर में संचालित जिक्र इलाही ईमित्र संचालक अमजद गौरी की ओर से फर्जी मतदाता पहचान पत्र बनाने को लेकर फर्जी तरीके से दस्तावेज तैयार कर लोगों से मोटी रकम वसूलने का मामला सामने आया है। इस संबंध में चोमू तहसीलदार डॉक्टर विजयपाल बिश्नोई ने चोमू थाने में ईमित्र संचालक सहित अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने को लेकर रिपोर्ट दी है ।तहसीलदार डॉक्टर बिश्नोई ने बताया कि गोरी कॉलोनी निवासी अब्दुल सलाम और मदीना कॉलोनी निवासी सबिया यासमीन ने मूल निवास प्रमाण पत्र के लिए जिक्र इलाही ईमित्र पर आवेदन किया था इन आवेदनों के साथ संलग्न मतदाता पहचान पत्रों पर संदेह होने पर 2008 की विधानसभा मतदाता सूची में नाम खोजे गए तो दोनों के नाम सूची में नहीं मिले जांच में स्पष्ट हुआ कि प्रस्तुत किए गए मतदाता पहचान पत्र फर्जी है तहसीलदार ने बताया कि उक्त ईमित्र मदीना कॉलोनी में जिक्र इलाही नाम से संचालित है। जिक्र इलाही संचालक अमजद गोरी से संपर्क किया तो संचालक ने फोन बंद कर लिया। तहसीलदार विजयपाल बिश्नोई ने बताया कि 19 जनवरी को जब संचालक से पूछताछ के लिए संपर्क किया तो उसने फोन बंद कर लिया और कार्यालय आने से बचता रहा मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस थाना चोमू को पत्र लिखकर आरोपी ईमित्र संचालक अमजद गौरी के खिलाफ जालसाजी,सरकारी दस्तावेजों ,से छेड़छाड़ और कूटरचना की धाराओं में एफआईआर दर्ज करने को लेकर रिपोर्ट दि है। अमजद गोरी ने राजपत्रित अधिकारियों के नाम से जाली हस्ताक्षर, किए दस्तावेजों की जांच में आवेदनों में दो राजपत्रित अधिकारियों डॉक्टर टीकमचंद आनंद, उपनिदेशक पशुपालन विभाग और प्रवीण कुमार अतिरिक्त निदेशक पशुपालन विभाग के हस्ताक्षर और मोहर भी संलग्न थे जब व्हाट्सएप पर हस्ताक्षरों के फोटो भेज कर सत्यापन किया गया तो दोनों अधिकारियों ने साफ कहा कि ये हस्ताक्षर और मोहर फर्जी है। 3000,₹ की वसूली करता था। जांच के दौरान सामने आया कि ईमित्र संचालक अमजद गोरी ने आवेदकों से प्रति आवेदन ₹50 की निर्धारित फीस के बजाय ₹3000 वसूले हैं सबिया यासमीन ने बताया कि अमजद ने कहा था कि यहां वहां पैसे डालने होंगे इसलिए अधिक राशि देनी होगी आवेदकों ने यह भी स्वीकार किया कि अमजद ने कई अन्य लोगों से भी इसी तरह रकम लेकर दस्तावेज तैयार किए हैं।

वीर हनुमान जी की खोल में करोड़ों का विकास, तिबारियों की बुकिंग अब भी ऑफलाइन

-जनआस्था से जुड़ी सुविधा को डिजिटल करने की उठी ठोस मांग

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण (JDA) द्वारा नांगल भरड़ा स्थित वीर हनुमान जी की खोल में करोड़ों रुपये की लागत से किए गए विकास कार्यों के बावजूद तिबारियों की बुकिंग आज भी ऑफलाइन संचालित होने से श्रद्धालुओं को गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इसी जनसमस्या को लेकर शनिवार को पूर्व पार्षद राजेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कचोलिया रोड स्थित विधायक कार्यालय पहुंचकर विधायक डॉ. शिखा मील बराला को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में वर्मा ने बताया गया कि जेडीए द्वारा लगभग 31 करोड़ रुपये की लागत से तिबारियों, सड़क, पार्किंग सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास कराया गया है, वहीं हाल ही में 9 करोड़ 15 लाख रुपये की अतिरिक्त विकास योजनाओं को भी सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त हुई है। इसके बावजूद तिबारियों की बुकिंग व्यवस्था का ऑफलाइन रहना, डिजिटल इंडिया की सोच और आधुनिक व्यवस्थाओं के विपरीत है। पूर्व पार्षद वर्मा ने बताया कि देश-प्रदेश के दूर-दराज क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालु अपनी मन्नत पूर्ण होने पर सवामणि, भंडारा व अन्य धार्मिक आयोजनों हेतु तिबारी बुकिंग के लिए बार-बार व्यक्तिगत रूप से आने को मजबूर हैं। कई बार लंबी दूरी तय करने के बाद यह कहकर लौटा दिया जाता है कि तिबारी पहले से बुक है, जिससे श्रद्धालुओं का समय, धन और श्रम तीनों व्यर्थ हो रहा है। उन्होंने कहा कि ऑफलाइन व्यवस्था के कारण पारदर्शिता का अभाव बना हुआ है तथा मनमानी को लेकर लगातार शिकायतें सामने आती रही हैं, जो जनआस्था से जुड़े इस पवित्र स्थल की व्यवस्थाओं पर प्रश्न खड़े करती हैं। करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का वास्तविक लाभ तभी सार्थक होगा, जब व्यवस्थाएं भी आधुनिक, पारदर्शी और श्रद्धालु अनुकूल हों। ज्ञापन के माध्यम से वर्मा ने विधायक डॉ. शिखा मील बराला से मांग की कि वीर हनुमान जी की खोल में तिबारियों की बुकिंग व्यवस्था को पूर्णतः ऑनलाइन किया जाए, डिजिटल भुगतान की सुविधा लागू हो, तिबारियों की उपलब्धता व शुल्क की जानकारी रियल-टाइम सार्वजनिक पोर्टल पर प्रदर्शित की जाए तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हेल्पलाइन व ई-मेल सपोर्ट की व्यवस्था सुनिश्चित करवाई जाए।

पुण्यतिथि

9 वीं पुण्यतिथि पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

देवलोकगमन दिवस
स्व. श्री मृगेंद् सिंह भदौरिया (06-02-2018) की 9 वीं पुण्यतिथि पर हम सभी परिवारजन अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत : डॉ. आरती भदौरिया, यशवर्धन सिंह भदौरिया
वसुंधरा सिंह भदौरिया, याशवी भदौरिया
सवाई माधोपुर, राजस्थान

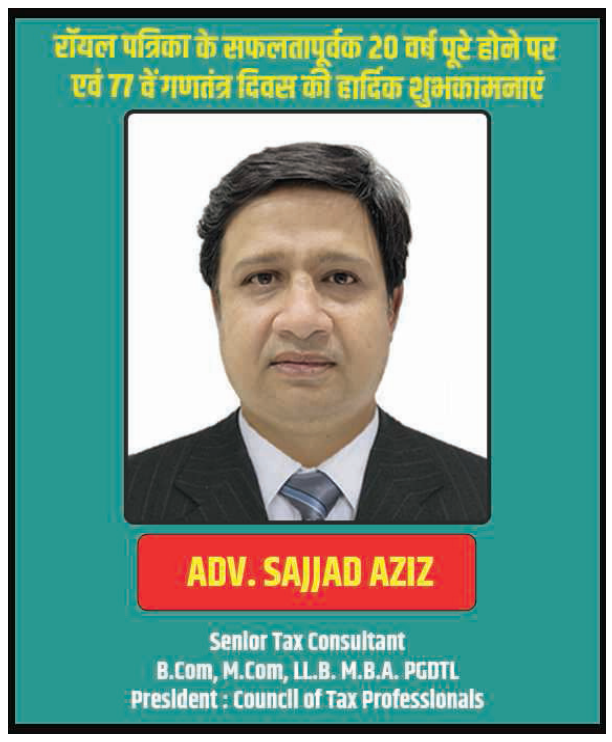

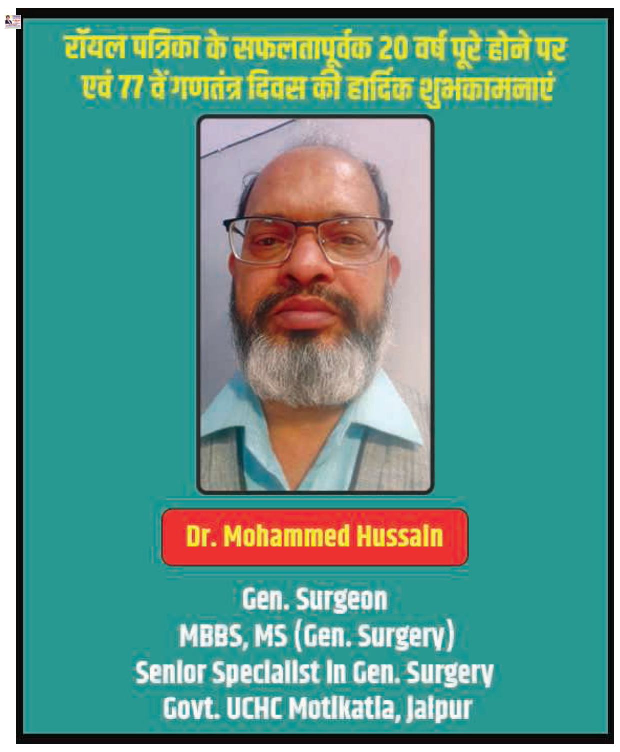

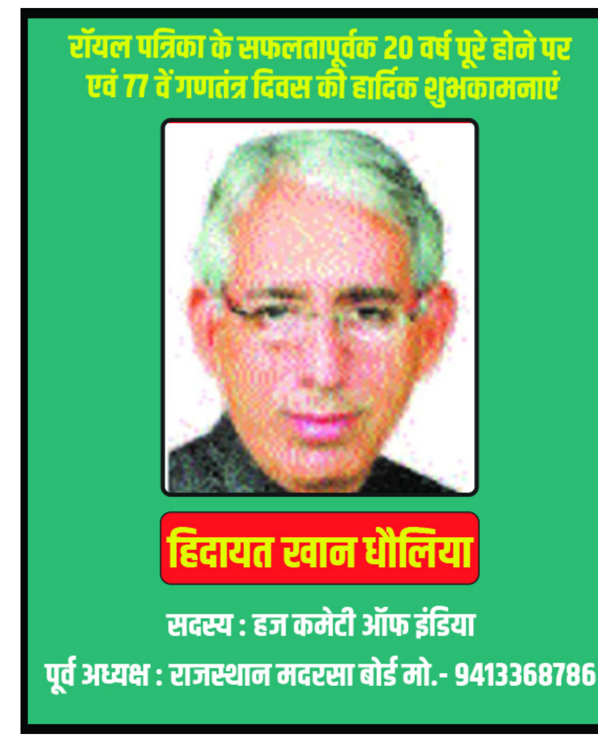

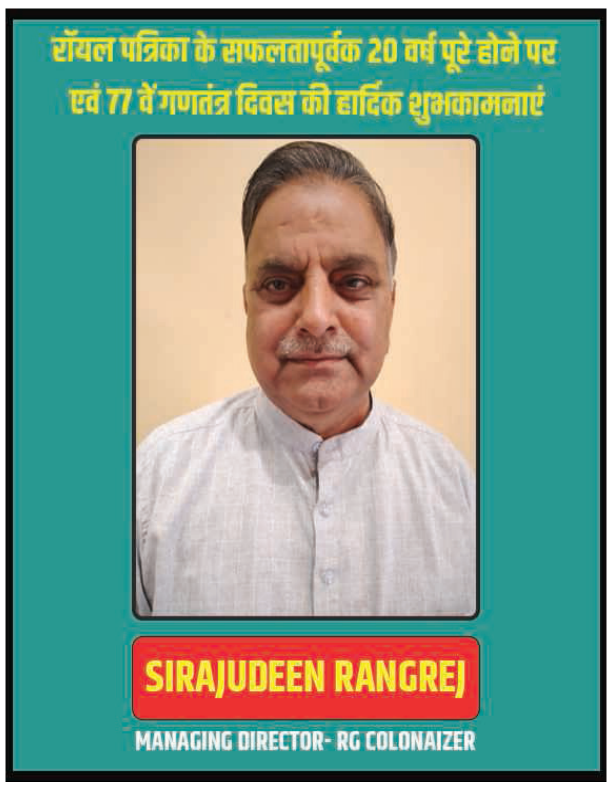

प्रदेश में स्कूलों के जर्जर हालतों से जुड़ा मामला

जयपुर। प्रमुख शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल और शिक्षा निदेशक सीताराम जाट हुए हाईकोर्ट में पेश, हाई कोर्ट ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को लगाई फटकार, कहा आपने जो रिपोर्ट पेश की है वह कागजों में कुछ और धरातल पर कुछ और है, सुनवाई के दौरान ASG भरत व्यास व महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने दिया आश्वासन, CM से व्यक्तिगत रूप से मिलकर इस समस्या के समाधान का प्रयास करने का आश्वासन, अदालत में शिक्षा सचिव को दिए निर्देश, मुख्य सचिव और वित्त सचिव से मिलकर बजट में इसके फंड के लिए करें प्रावधान, अदालत ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी करते हुए कहा, हम बच्चों को और समाज को जवाब नहीं दे पा रहे हैं, हमारी बच्चियां दिन भर पानी नहीं पीती हैं, क्योंकि उन्हें दिन में टॉयलेट नहीं जाना पड़े, राजनेता सिर्फ ट्रांसफर पर ही ध्यान रखते हैं, बच्चों के लिए किसी प्रकार की कोई व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया जा रहा, मामले में 16 फरवरी को होगी अगली सुनवाई, जस्टिस महेंद्र कुमार गोयल व जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने दिए आदेश, स्वप्रेरित प्रसंज्ञान याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए आदेश।

जोधपुर: अब हरी मिर्च में ड्रग्स की तस्करी

जोधपुर (रॉयल पत्रिका । तस्करों ने अपनाया ड्रग तस्करी का नया तरीका, हरी मिर्च काटकर अंदर छुपाई गई MD और स्मैक की पुड़िया, निजी बसों में पार्सल के नाम पर भेजी जा रही थी। ड्रग्स, जोधपुर से हैदराबाद जाने वाली बस में हुआ खुलासा, बस चालक को संदिग्ध लगा पार्सल, खोलकर देखा तो उड़े होश, हरी मिर्च के अंदर सिल्वर फॉइल में मिली ड्रग्स की पुड़िया, पुलिस को सूचना मिलते ही पार्सल लेकर अज्ञात व्यक्ति फरार, मामले की जांच में जुटी पुलिस।

रॉयल पत्रिका

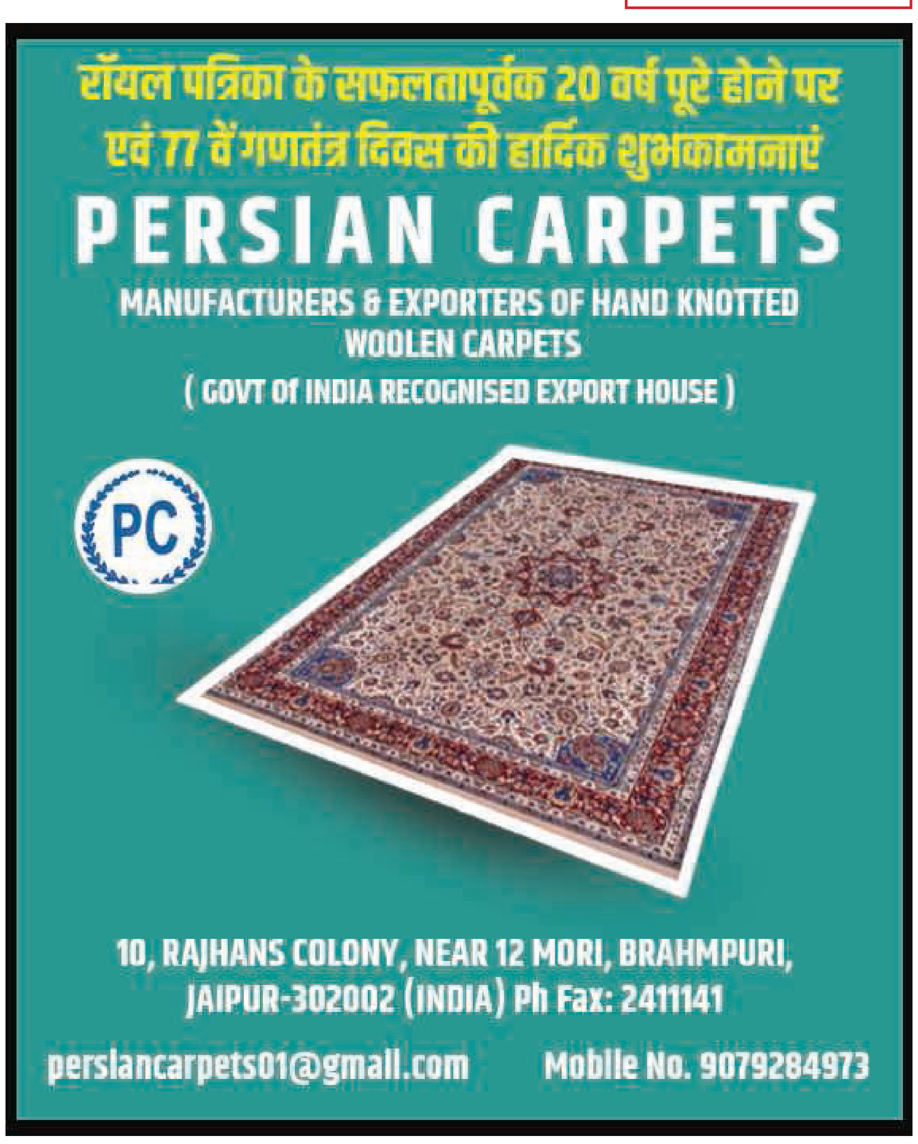

रॉयल पत्रिका के 20 वर्ष होने पर मुबारकबाद

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये अम्बर ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड, 3 A, डी.एल. टॉवर, विध्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल:rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com